चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 155 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26
भोपाल 28 नवंबर 2024 गुरुवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
18 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

मुंबई का पूरा सियासी परिदृश्य दिल्ली शिफ्ट हुआ, फडणवीस, अजित, शिंदे भी पहुंचे

भाजपा को सताई मराठा प्राइड की फिक्र अटक रहा महाराष्ट्र में सीएम का मामला!

नईदिल्ली.एजेंसी

महाराष्ट्र के नए सीएम के नाम पर जारी सस्पेंस आज निर्णायक दौर में है। मुंबई का सारा सियासी परिदृश्य आज दिल्ली शिफ्ट हो चुका है। देवेंद्र फडणवीस को एक बार फिर से मुख्यमंत्री बनाए जाने के आसार तो है, लेकिन कोई चौंकाने वाला निर्णय होने की संभावना भी कम नहीं है। कल मौजूदा सीएम एकनाथ शिंदे ने एलान कर दिया था कि बीजेपी जिसे भी सीएम बनाना चाहे, शिवसेना उसका समर्थन करेगी। प्रकारांतर से खुद को सीएम पद की रेस से बाहर कर लेने से फडणवीस का चांस बन रहा है लेकिन भाजपा का अगला सीएम कौन होगा, इसे लेकर बीजेपी में आज कई बैठकों का दौर है। बीती देर रात तक मुख्यमंत्री के नाम के लिए दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी महासचिव विनोद तावड़े के बीच एक अहम बैठक हुई है। यह मीटिंग करीब 40 मिनट तक चली। दरअसल भाजपा नेतृत्व को महाराष्ट्र में गैर-मराठा मुख्यमंत्री बनाए जाने पर मराठा समुदाय के नाराज होने की चिंता है। इसलिए, इस बात पर चर्चा हुई कि अगर राज्य में फिर से देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो मराठा वोटों को किस तरह बरकरार रखा जाएगा। इसके बाद आज शाम को अमित शाह फिर से दिल्ली में बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में कार्यवाहक सीएम शिंदे, बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी प्रमुख अजित पवार तीनों मौजूद रहेंगे। उम्मीद की जा रही है कि शाह की बैठक के बाद सीएम के नाम का एलान हो सकता है।

झारखंड में हेमंत की शपथ

झारखंड को आज 14वां मुख्यमंत्री मिलने जा रहा है। रांची के मोरहाबादी मैदान में हेमंत सोरेन सीएम के रूप में फिर शपथ लेने जा रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी, शरद पवार और ममता बनर्जी सहित इंडिया ब्लॉक के कई दिग्गज शामिल होंगे। कई राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। शाम 4 बजे राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार हेमंत सोरेन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन (49) का यह मुख्यमंत्री के रूप में चौथा कार्यकाल होगा। सोरेन ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के गमलियाल हेम्ब्रोम को 39,791 मतों के अंतर से हराकर बरहेट सीट बरकरार रखी है। जेएमएम के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीटें हासिल करके जीत हासिल की है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 24 सीटें मिलीं।

प्रियंका गांधी ने संविधान हाथ में लेकर ली शपथ

आज कांग्रेस नेता व वायनाड से जीतकर आई प्रियंका गांधी ने सांसद के तौर पर शपथ ग्रहण कल ली। खास बात यह कि शपथ के दौरान उन्होंने अपने हाथ में संविधान की किताब को पकड़ा हुआ था। राहुल गांधी ने भी संविधान हाथ में लेकर लोकसभा में जून में शपथ ली थी। इससे पहले वह राज्यसभा सांसद और अपनी मां सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ संसद भवन पहुंचीं। उन्होंने मीडिया से कहा कि आज मैं बहुत खुश हूं। प्रियंका ने वायनाड लोकसभा सीट पर सीपीआई के सत्यन मोकेरी को 4 लाख, 10 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया है। प्रियंका गांधी नेहरू परिवार की 16वीं सदस्य हैं जो लोकसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। उल्लेखनीय है कि देश के संसदीय इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ जब लोकसभा में गांधी परिवार का कम से कम एक सदस्य न पहुंचा हो। ऐसे भी मौके आए हैं जब गांधी-नेहरू परिवार से जुड़े 5-5 सदस्य लोकसभा में एक साथ पहुंचे।

पीएम मोदी को जान से मारने की धमकी

नईदिल्ली.एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी दी गई है। मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में किसी अज्ञात शख्स ने फोन कर प्रधानमंत्री को जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

साइबर फ्रॉड की जांच करने गई ईडी की टीम पर हमला

नई दिल्ली. एजेंसी

साइबर फ्राड की जांच करने गई ईडी की टीम पर सुबह हमला हुआ है। टीम बिजवासन इलाके में जांच करने पहुंची थी। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने रेड के दौरान टीम के सदस्यों पर हमला कर दिया। हालांकि, किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आई है। ईडी की टीम ने पीपीपीवाईएल साइबर एप फ्रॉड केस के संबंध में अशोक शर्मा और उसके भाई के ठिकाने पर छापेमारी की थी। इस मामले में एक एफआईआर दर्ज किया गया है। एफआईआर में कहा गया है कि जब अधिकारी छापेमारी कर रहे थे, तभी उनपर हमला हो गया। ईडी सूत्रों ने बताया कि जिस केस में ईडी की टीम छापेमारी के लिए पहुंची थी, उसमें देश भर में फिशिंग स्कैम, क्यूआर कोड धोखाधड़ी, पार्ट टाइम जॉब स्कैम जैसे हजारों साइबर अपराध दर्ज किए गए हैं। ईडी सूत्रों ने बताया कि हजारों रिपोर्ट किए गए अपराध मामलों का विश्लेषण किया गया तो पाया गया कि अपराध के पैसे को 15हजार अलग खातों में डाला जा रहा था। फिर डेबिट/क्रेडिट कार्ड प्राप्त किए गए। एजेंसी सूत्र का कहना है कि इन कार्डों का इस्तेमाल करके, यूएई स्थित पीवायवायपीएल पेमेंट एग्रीगेटर पर वर्चुअल खातों को टॉप अप करने के लिए पैसे भेजे गए। क्रिप्टो-करेंसी खरीदने के लिए फंड का इस्तेमाल किया गया। पूरा नेटवर्क संदिग्ध चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा चलाया जा रहा था।

समुद्र से दागी परमाणु बैलेस्टिक मिसाइल, सफल रहा परीक्षण

नई दिल्ली. एजेंसी। भारतीय नौसेना ने अपनी न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन से पहली बार सफल परीक्षण किया है। एटॉमिक हथियार ले जाने वाली इस मिसाइल की रेंज 3500 किलोमीटर है। मिसाइल की खासियत ये है कि यह देश को सेकेंड स्ट्राइक की क्षमता प्रदान करती है। यानी देश के न्यूक्लियर ट्रायड को यह ताकत मिलती है। अगर जमीन पर स्थिति ठीक नहीं है तो पानी के अंदर से सबमरीन हमला कर सकती है। इससे पहले भारतीय नौसेना के-15 का इस्तेमाल कर रही थी लेकिन के-4 उससे ज्यादा बेहतर, सटीक, मैन्यूवरेबल और आसानी से ऑपरेट होने वाली मिसाइल है। यह 17 टन वजनी और 39 फीट लंबी है। यह ढाईहजार किलोग्राम वजनी स्ट्रैटेजिक न्यूक्लियर हथियार ले कर उड़ान भरने में सक्षम है।

30 मुसाफिर ओढ़ते हैं तब धुलता है रेलों का कंबल

नई दिल्ली. एजेंसी

आमतौर पर लोग किसी कपड़े और कंबल चादर को यदि रोज इस्तेमाल करते हैं, तब भी हफ्ते पंद्रह दिन में धोते हैं लेकिन यह भारतीय रेल महीने में एक बार कंबल को धोने का प्रावधान किये हुए है। हालांकि 30 दिन पूरे होने पर भी रेलवे का कंबल धुल जाए, यह जरूरी नहीं है। अब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि ट्रेन में यात्रियों को दिए जाने वाले कंबलों को महीने में कम से कम एक बार धोया जाता है। तब तक इसे 30 यात्री इसका इस्तेमाल कर ही लेते हैं। कांग्रेस के सांसद कुलदीप इंदौरा ने कंबल की धुलाई और साफ-सफाई को लेकर रेल मंत्री से लोकसभा में सवाल पूछा था। इसके लिखित जवाब में वैष्णव

खुद रेल मंत्री ने दी जानकारी

ने यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि देश में ट्रेन के एयरकंडीशंड क्लास में बेड रोल रेलवे की तरफ से दिया जाता है। इसमें गंदे चादरों और कंबलों की सप्लाई की अक्सर खबर पढ़ने को मिलती है। चादर तो हर इस्तेमाल के बाद जरूर धो दी जाती है, लेकिन कंबल फिर से अगले पैसेंजर को दे दिया जाता है। वैष्णव ने बताया कि बेड रोल में कंबल के साथ जो दो चादर दी जाती है उसमें एक कंबल पर कवर के रूप में उपयोग के लिए होती है तथा चादर वाली तरफ से कंबल ओढ़ना चाहिए ताकि दूसरे यात्रियों का उपयोग किया गया कंबल आपके शरीर से सीधे संपर्क में नहीं आए।

बाजार में गिरावट, अडाणी के शेयर रॉकेट

नई दिल्ली. एजेंसी

पिछले गुरुवार को अमेरिकी कोर्ट के एक आदेश ने अडानी ग्रुप को हिला कर रख दिया था। मगर आज गुरुवार को हालात बदले हुए हैं। रिश्वत देने और धोखाधड़ी के आरोप के बाद अडानी स्टॉक्स में लोअर सर्किट तक की गिरावट आ गई थी। कई डील भी कैंसिल हुईं। लेकिन आज गुरुवार को अडानी ग्रुप के शेयर रॉकेट बने हुए हैं। शेयरों में सुबह 11 बजे तक ही15 फीसदी से ज्यादा का उछाल आ चुका था। ग्रुप के सारे स्टॉक हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं। सबसे ज्यादा तेजी अडानी टोटल गैस के शेयरों में आई। इसके बाद अडानी पावर और अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर रहे। यह हालात तब है जब शेयर मार्केट में गिरावट है। सेंसेक्स 700 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी गिरावट है।

मेट्रो एंकर | वायु प्रदूषण से मौतों की संख्या ज्यादा, कैंसर या डायबिटीज से कम जान जा रहीं!

जहरीली हवा से हर साल 21 लाख मौत

गाजियाबाद, एजेंसी

लखनऊ। भारत इस वक्त वायु प्रदूषण की आपदा के मुहाने पर आ खड़ा हुआ है। यहां हर साल हाई ब्लड प्रेशर (हृदय रोग) के बाद सबसे ज्यादा मौतें वायु प्रदूषण की वजह से होती हैं। डायबिटीज, कैंसर से होने वाली मौतें भी इससे कम हैं। जहरीली हवा से भारत में हर साल 21 लाख लोग मौत के मुंह में समा रहे हैं। यही नहीं, लोगों की उम्र भी घट रही। उनकी कार्यक्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। चेन्नई में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ काम कर रहीं देश की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कल्पना बालाकृष्णन ने आईआईटीआर में आयोजित सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए लखनऊ में यह बातें कहीं। वायु प्रदूषण पर किए गए उनके शोध व रिपोर्ट न्यू इंग्लैंड जर्नल, लैंसेट समेत दुनिया की कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने भारत के संदर्भ में साइलेंट आपदा कहे जाने वाले वायु प्रदूषण को लेकर उन्होंने अपनी चिंता साझा की। डॉ. कल्पना का कहना है कि विभिन्न वैज्ञानिक शोध, आईक्यू-एयर और स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों से सालाना 21 लाख लोग मौत के शिकार हो रहे हैं।

प्रदूषित हवा के असर से लोगों की उम्र दो से तीन प्रतिशत तक घटने लगी है। दुनिया के 10 सबसे ज्यादा वायु प्रदूषित देशों में भारत तीसरे पायदान पर है। बच्चों व बुजुर्गों पर इसका सर्वाधिक बुरा प्रभाव पड़ रहा है। वायु प्रदूषण का मौसम व जलवायु परिवर्तन पर सीधा असर पड़ रहा है। वायु प्रदूषण बढ़ने से ग्लोबल वार्मिंग बढ़ी है, मौसम में भी बड़े बदलाव आ रहे हैं। साल-दर-साल बढ़ती गर्मी, भारी बारिश और भीषण ठंड इसके परिणाम हैं। उनका मानना है कि उज्ज्वला योजना सरकार की एक शानदार योजना साबित हुई है लेकिन ग्रामीण इलाकों में प्रदूषण को कम करने की दिशा में अभी ये नाकाफी है। सरकार और नीति निर्माताओं को अब इसके आगे सोचना होगा।

शहर हो या गांव...एक जैसा हाल

बढ़ते उद्योगों, भट्टियों, वाहनों आदि के धुएं व धूल से शहरों का दम फूल रहा है। डॉ. कल्पना ने कहा कि यह भ्रम है कि ग्रामीण इलाकों की हवा स्वच्छ है। बड़ी संख्या में आर्थिक तौर पर कमजोर ग्रामीण लकड़ी आदि जलाकर खाना पकाते हैं। वायु प्रदूषण ने वहां भी पांव पसार लिया है। ये अलग बात है कि इसे मापने के अभी तक हमारे पास समुचित व्यवस्था नहीं है।

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भोपाल के रेलवे स्टेशन पर इज्तिमा के जमाते आना शुरू हो गई।

इज्तिमा कमेटी ने रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और बस स्टैंड पर लगाए इस्तकबाल कैंप

जमातों की पहले कैंप में होगी एंट्री, फिर इज्तिमा स्थल पर भेजा जाएगा

भोपाल. आलमी तब्लीगी इज्तिमा में लाखों की भीड़ में कोई अनजान नहीं होगा। इनका हिसाब किताब रखा जाएगा। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट पर जमातों की एंट्री की जाएगी। इसके लिए यहां पर कैप लगाए गए हैं। यह इंतजाम इज्तिमा इंतजामिया कमेटी की ओर से हुए हैं। इज्तिमा में शिरकत के लिए बस, ट्रेन और स्वयं के वाहनों से लोग पहुंचेंगे। कई लोग प्लेन से भी आ रहे हैं। इज्तिमा के इंतजाम से जुड़े लोगों ने बताया कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट पर कैप लगाए गए हैं। आने वाली जमातों की पहले इन कैप में एंट्री होगी। इसमें उनका ब्यौरा होगा। इसके बाद उन्हें इज्तिमा स्थल पर भेजा जाएगा। जो लोग निजी वाहनों से पहुंचेंगे उनकी एंट्री पार्किंग स्थल पर रहेगी। खासतौर पर वे चार दिन तक शिरकत करेंगे। इज्तिमा

स्थल पर करीब 300 एकड़ में पार्किंग इंतजाम हैं। 50 जोन हैं। इनमें दो पहिया, चार पहिया, बस ट्रक को अलग-अलग श्रेणी में बांटा है। ईंटखेड़ी स्थिति इज्तिमा स्थल पर जमातों के पहुंचने का सिलसिला गुरुवार दोपहर से शुरू होगा। शुक्रवार सुबह से आयोजन शुरू हो रहा है। शिरकत के लिए जिले के बाहर से आने वालों के लिए अलग से इंतजाम हैं। इज्तिमा के मीडिया कॉडीनेटर डॉ उमर हफीज के मुताबिक सालों से यह व्यवस्था है। हर जमात में कितने सदस्य हैं उनका ब्योरा भी रखा जाता है। इस बार भी ये इंतजाम हैं। कैप तैयार हैं।

एयरपोर्ट पर करेंसी एक्सचेंज काउंटर खुलने के बाद सुविधा बढ़ी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजा भोज एयरपोर्ट पर करेंसी एक्सचेंज काउंटर खुलने के बाद यात्री को सुविधा बढ़ी है। हालांकि अभी तक इंटरनेशनल उड़ान नहीं होने से इसका ज्यादा लाभ मिलना बाकी है।
दरअसल भोपाल से एक भी इंटरनेशनल उड़ान नहीं है। कुछ माह पहले ही इस एयरपोर्ट को कस्टम दर्जा मिला था। यहां इमिग्रेशन विंग भी बना लिया गया है और ई-गेट भी बनकर तैयार हो गए हैं।

फिलहाल, जो यात्री भोपाल से दिल्ली एवं मुंबई से होते हुए इंटरनेशनल कनेक्टिंग उड़ानों से विदेश जाते हैं, उन्हें यहां पर करंसी एक्सचेंज काउंटर खुलने से सुविधा हो जाएगी। ऐसे यात्रियों को संबधित देश की करेंसी भोपाल में ही मिल जाएगी। इससे यात्रियों का समय बचेगा। राजा भोज एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल सुविधाओं की दृष्टि से यह अहम सुविधा है। इससे अब एयरपोर्ट पर आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को अपनी मुद्रा बदलने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। इस काउंटर के खुलने के साथ राजा भोज एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें जल्द शुरू होने की संभावना को भी बल मिला है।

पीआरएस सिद्धार्थ यादव ने बताया कि राजा भोज एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधाओं को लेकर विमानपत्तन प्राधिकरण पूरी तरह सजग है और इस दिशा में निरंतर नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। क्लब सेवन नामक कंपनी करंसी एक्सचेंज काउंटर को चलाएगी। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के अनुसार दो साल में राजा भोज एयरपोर्ट पर यात्रियों को कई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अब यह इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं के साथ देश का प्रमुख एयरपोर्ट बन गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार बनाएगा राज्य शिक्षा केंद्र बजट, जिलों को आदेश जारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्य शिक्षा केंद्र ने वर्ष 2025-26 के बजट को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस संबंध में संचालक राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिला कलेक्टरों के पत्र लिखा है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार वर्ष 2025-26 का बजट बनाया जाएगा। पत्र में कहा गया है कि समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत प्रारंभिक शिक्षा एवं शिक्षक शिक्षा) जिला स्तर पर वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2025-26 निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। बैठक आयोजित कर जिला स्तर पर वार्षिक कार्य योजना एवं बजट वर्ष 2025- 26 के निर्माण का कार्य भारत शासन द्वारा समग्र शिक्षा अभियान योजना निर्माण में एनईपी 2020 के फ्रेमवर्क के मापदंडों के अनुरूप योजना तैयार किया जाना है। योजना निर्माण में जिला स्तरीय कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा एवं योजना निर्माण का प्रयोजन बैठक में वार्षिक कार्य योजना एवं बजट वर्ष 2024-25 में स्वीकृत समस्त गतिविधियों के क्रियान्वयन की समीक्षा कर अपूर्ण एवं अप्रारंभ गतिविधियों समय सीमा में पूर्ण की जाए। 19 नवंबर तक टीमों के गठन की कार्यवाही की जाएगी। जिला, ब्लाक एवं संकुल स्तर पर गठित टीमों की बैठक आयोजित कर वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक कार्य योजना तैयार की जाए।

बरसों से सघन बस्ती मे खतरों के बीच खड़ी पुरातात्विक संपदा

मौर्यकालीन स्तंभ की अब संग्रहालय करेगा देखभाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में कई पुरातात्विक महत्व के स्थलों की अनदेखी के बीच अब बाग उमराव दूल्हा में स्थित मौर्य युग (325181 ईसा पूर्व) का प्राचीन स्तंभ जल्दी ही राज्य संग्रहालय या फिर किसी सुरक्षित पार्क में स्थानांतरित होने के आसार बन गये हैं । लगभग 20 फीट ऊंचे पत्थर के इस स्तंभ को नवाब शाहजहां बेगम के दौर में सांची या विदिशा से लाया गया था। इसे नवाब खानदान के लिए बने बाग उमराव दूल्हा में लैंप पोस्ट के तौर पर स्थापित किया गया था अभी तो आलम यह है कि नवाबों का दौर खत्म होने के बाद अब यह प्राचीन स्तंभ दुकानों और घरों से घिरी बस्ती में एक व्यस्त और संकरी सड़क के बीच में खड़ा है। इसमें खरोचें और गड्ढे हैं और इसके चारों ओर नीचे से ऊपर तक तार के निशान हैं। इसके आधार पर एक छोटा, उठा हुआ पत्थर का चबूतरा है, जिसका उपयोग स्थानीय निवासी बैठकर धूप सेंकने और गपशप करने के लिए करते हैं। बावजूद यहां के कुछ नागरिक इसे यहां से ले जाने का लंबे समय से विरोध भी करते रहे हैं। अब उन्हें मनाया जा रहा है। वहीं अफसरों को आशंका है कि यदि किसी भी दिन कोई वाहन खंभे से टकरा जाएगा तो यह स्तंभ टूट सकता है। पुरातत्व संचालनालय की योजना इसे राज्य संग्रहालय या किसी खुली जगह पर स्थापित करने की है, जहां उचित बाड़ लगाकर इसका संरक्षण किया जा सके। 20 फीट ऊंचे इस स्तंभ के शीर्ष के पास लोहे के हुक लगे हुए हैं जो इसके लैंप पोस्ट के लिए इस्तेमाल होने की गवाही देते हैं। इसके शीर्ष पर एक उल्टा कमल और एक पत्ती की आकृति बनी हुई है।

इस स्तंभ को स्थानांतरित करने के प्रयास पहले भी हुए हैं। लेकिन स्थानीय निवासियों के विरोध की वजह से ऐसा हो नहीं पाया। स्थानीय लोग इस स्तंभ को अपने इलाके के गौरव और नवाब के उपहार के रूप में देखते हैं। करीब दो साल पहले इसे स्थानांतरित करने के लिए जिला कलेक्टर को औपचारिक आदेश जारी किया गया था, लेकिन विरोध के कारण ऐसा नहीं हो सका। अब क्षेत्र के कुछ समझदार और प्रभावशाली निवासियों से बातचीत करके तथा उन्हें आश्वस्त करके स्थानांतरित करने के प्रयास तेज हो गये हैं। नागरिकों को बताया जा रहा है कि इसके संरक्षण का यही सबसे अच्छा तरीका होगा।

उखाड़कर लाया गया !

जानकारों का कहना है कि 1880 के आसपास भोपाल की शासक शाहजहां बेगम के आदेश पर इस स्तंभ को रियासत की किसी उखाड़कर शहर में लाया गया था। स्तंभ के दंड पर ठोकने या तोड़ने के निशान मिलते हैं, जिससे पता चलता है कि यह कहीं से उखाड़कर लाया गया था। इसे एक बगीचे के बीच में स्थापित किया गया था, जहां बाद में घर और सड़क बन गई। इस स्तंभ को कहां से और क्यों लाया गया था, इसकी प्रामाणिक जानकारी किसी को नहीं है। कई लोगों का मानना है कि यह स्तंभ सांची अथवा विदिशा से लाकर यहां स्थापित किया गया था।

लिपि अब तक अबूझ

इतिहासकारों का कहना है कि स्तंभ पर शंख लिपि में कुछ लिखा हुआ है। जो पांचवीं शताब्दी तक देश में प्रचलित लिपि थी। इस लिपि को अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है। यह स्तंभ तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व का अशोक काल का है। ऐसे स्तंभ उस काल में व्यापारिक मार्गो में लगाए जाते थे। भीमबेटका के शैल आश्रयों , सांची स्तूप और बेस नगर के स्तंभ के साथ यह स्तंभ भी प्रदेश के सबसे पुराने पुरातात्विक स्मारकों में से एक है।

अपडेट नहीं पीओएस मशीन

भोपाल. शहर में बिजली उपभोक्ताओं के यहां पहुंचकर स्पॉट मीटर रीडिंग बिलिंग में उपभोक्ताओं को दो माह का बिल दिया जा रहा है। चित्रगुप्त नगर, कोटरा व संबंधित क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को पिछले माह के बिल का बकाया जुड़कर बिल मिले हैं। इससे वे हैरान परेशान हैं। बताया जा रहा है कि मीटर रीडिंग बिलिंग करने वाली पीओएस मशीनें अपडेट नहीं है।

परीक्षा के बाद अभिभावकों को दिखाएंगे कापियां, व्यवस्थाओं में बदलाव

नौवीं से बारहवीं कक्षा तक की अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं 9 से 19 दिसंबर तक

भोपाल. एजेंसी

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 9वीं से 12वीं कक्षा तक की अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं 9 से 19 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी। अब इन परीक्षाओं को लेकर लोक शिक्षण संचालानय ने नए दिशा-निर्देश दिए हैं। जिसके अनुसार, इन परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को स्कूलों उत्तरपुस्तिकाएं दिखाई जाएंगे। इसके साथ परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों और अभिभावकों की सहभागिता भी रहेगी।
दरअसल, लोक शिक्षण संचालनालय ने अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसके अनुसार, नवमीं से बारहवीं तक की परीक्षा उपरांत विषय शिक्षक उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे। इसमें मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं विद्यार्थियों को उनकी त्रुटियां दर्शाते हुए दिखाई जाएंगी। 30 दिसंबर को पीटीएम आयोजित कर विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम से माता-पिता को अवगत कराया जाएगा। मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं भी दिखाई जाएंगी। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परिणाम 30 दिसंबर तक विमर्श पोर्टल पर अपलोड करना होंगे। इधर विद्यार्थियों को लेकर भी नए आदेश दिए गए हैं। जिसके अनुसार, अब 9वीं से 12वीं तक की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थी

पेपर देने के बाद घर नहीं जाएंगे, बल्कि स्कूल में रूककर अगले पेपर की तैयारी करेंगे। निर्देशों में कहा गया है कि परीक्षा समाप्त होने के बाद विद्यार्थियों की स्कूल समय में अगले दिन के प्रश्न-पत्र की तैयारी कराई जाएगी। इसमें विद्यार्थी विषय संबंधी समस्याएं दूर सकते हैं। इन परीक्षाओं में प्रदेशभर के करीब 15 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा का समय सुबह 9 से 12 व दोपहर 1.30 बजे से 4.30 बजे तक रहेगा। जारी प्रश्न-पत्र भी इस बार राज्य स्तर पर बोर्ड पैटर्न पर भेजे जा रहे हैं। प्रश्न-पत्र नवंबर 2024 तक के पाठ्यक्रम व माशिमं की अंक योजना के आधार पर तैयार किए गए हैं।

भाजपा के अंदर जो नेता पहले से कांग्रेसियों पर ठीकरा फोड़ रहे थे उन्हें मिला नया मौका

विजयपुर के बाद भाजपा के भीतर बढा विरोध, कांग्रेस में वापसी हुई मुश्किल!

भोपाल, दोपहर मेट्रो। विजयपुर विस उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद से राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चा है। इसे भाजपा की नहीं, सरकार की हार के रूप में देखा जा रहा है तो सरकार यह बताने के प्रयास में है कि यह तो कांग्रेस की सीट थी, जो उसी के पास चली गई। हालांकि पार्टी वहां हार का अंतर कम करने में कामयाब रही है। उधर हारे हुए वनमंत्री रामनिवास रावत ने अलग लाइन पकड़ चुके हैं। उनका कहना है कि कुछ लोग उनका बढ़ता कद देखकर खुश नहीं थे इसलिए उन्होंने सहयोग नहीं किया। कहने का मतलब है कि हरवा दिया।

हालांकि प्रदेश भाजपा में इस हार का मंथन होना बाकी है, उस मंथन में संभवत~हार के वास्तविक कारणों पर बात हो और उससे राष्टीय नेतृत्व को अवगत कराया जाए। जानकार कहते हैं कि यदि भाजपा ने ईमानदारी से मंथन किया और सभी बिंदुओं पर बात की तो कई नेताओं का राजनीतिक भविष्य संकट में पड़ सकता है, क्योंकि भाजपा के सरकार में रहते हुए उसका एक मंत्री हारा है, यह हार कई मायनों में अहम है। बताया जा रहा है कि राष्टीय नेतृत्व भी इसे गंभीरता से ले रहा है और अभी से चार साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव का अंदाजा लगाया जाने लगा है। उधर दलबदलु कांग्रेसियों का विरोध करने वालों को तथ्यात्मक मौका गया है, बताया जा रहा है कि कांग्रेसियों के आने से खुद को परेशानी में पा रहे कई नेताओं ने संगठन के सामने बड़े विरोध की तैयारी कर ली है।

इधर कांग्रेस और उसके नेताओं को मानों संजीवनी मिल गई है, वे मप्र की दो सीटों पर हुए उप चुनाव में कांग्रेस की जीत मानकार चल रहे हैं। विजयपुर तो कांग्रेस ने जीती ही है, बुदनी में भी जीत का अंतर एक लाख से घटकर 13 हजार पर जाकर सिमट गया है। इसलिए इसी सीट पर भाजपा की जीत को भी कांग्रेस हार से जोड़कर देख रहे हैं और संकट में पार्टी को छोड़कर जाने वाले नेताओं पर तंस कस रहे हैं, कह रहे हैं कि एक दिन उन नेताओं का हाल भी रामनिवास रावत की तरह ही होना है। ऐसे नेताओं की वापसी पर भी कांग्रेस ने अघोषित ताला लगा दिया है।

इधर, विजयपुर में भाजपा की हार पर अभी प्रदेश भाजपा में घमासान की धीमी शुरुआत हो चुकी है। यह शुरुआत भाजपा के हारे हुए नेता व हारे वनमंत्री रामनिवास रावत ने ही कही है। उन्होंने कहा कि उनका कद बढ़ता कुछ नेताओं को ठीक नहीं लग रहा था। जानकारों का कहना है कि रावत का यह बयान कांग्रेस के नहीं, बल्कि भाजपा नेताओं के लिए है। आने वाले समय में उनके इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है।

दलबदलुओं की स्वीकार्यरता पर सवाल

रावत की हार के बाद भाजपा में दलबदल कर आए कई नेताओं पर तवज्जो कम होना तय है। इनमें से कुछ पर तो हार भारी भी पड़ सकती है। माना जा रहा है कि अब दलबदलुओं को भाजपा में जगह मिलना मुश्किल है। जिन्हें मिली है, उन्हें पद, प्रतिष्ठा कितनी मिलेगी या मिलती रहेगी, यह भी तय नहीं है। क्योंकि विजयपुर को राष्ट्रीय नेतृत्व सामान्य हार से अलग देख रहा है। भाजपा में कई कद्दावर नेता है, जो राज्य से लेकर लंबे समय से केंद्र तक की राजनीति कर रहे हैं लेकिन उप चुनाव में रावत के लिए वे विजयपुर वोट मांगने नहीं पहुंचे। कुछ नेता रावत को कांग्रेस में शामिल करने से नाराज हुए तो अंतिम तक नाराज ही रहे।

मेधावी विद्यार्थियों को दिसंबर तक मिलेगी लैपटॉप राशि, जिलों से ब्यौरा तलब

लोक शिक्षण संचालनालय सभी जिलों को जारी किए दिशा-निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बारहवीं के मेधावी विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। इन विद्यार्थियों की लैपटॉप राशि जल्द जारी की जाएगी। बताया जा रहा है कि दिसंबर के पहले सप्ताह से यह राशि विद्यार्थियों तक पहुंचना शुरू हो जाएगी। यह राशि विद्यार्थियों के बैंक खातों में डाली जाएगी, ताकि लैपटाप से उन्हें अपनी पढ़ाई में मदद मिलेगी। इसको लेकर लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने दिशा-निर्देश जारी किए है। जारी आदेश में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से मेधावी विद्यार्थियों की जानकारी मांगी गई है। डीपीआई ने सभी डीईओ को पत्र लिखकर 12वीं में 75 से अधिक लाने वाले 2699 विद्यार्थियों का विवरण मांगा है। लिखा है कि 2699 विद्यार्थी अन्य राज्य या बोर्ड से संबंधित होने के कारण इन्होंने प्रथम प्रयास में बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की है कि नहीं, इस संबंध में मंडल से पुष्टि नहीं हो पा रही है। इस कारण डीईओ अपने जिले के ऐसे विद्यार्थियों की पुष्टि कर डीपीआई को भेजें। अभी तक प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ मिलता है।

आठ माह बीत चुके हैं

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 12वीं की परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटाप के लिए 25 हजार रुपये की राशि दी जानी है। इस वर्ष परीक्षा परिणाम जारी हुए आठ माह बीत चुके हैं। अब जाकर शासन ने इसके लिए बजट की स्वीकृति प्रदान की है। इस बार 90 हजार 400 विद्यार्थी हैं। इन पर करीब 225 करोड़ रुपये खर्च होंगे।बता दें, कि हर साल शासन की ओर से प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए राशि 25-25 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। पिछले साल 78 हजार 641 विद्यार्थी शामिल थे।

15 की मान्यता का रिन्यू, नौ को कमियां दूर करने दिया समय

भोपाल. हाईकोर्ट द्वारा गठित उच्च स्तरीय जांच समिति की सिफारिश के बाद मप्र नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल ने 15 सरकारी नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता का नवीनीकरण कर दिया है। नौ को कमियां पूरी करने के लिए समय दिया है। अनूपपुर और मंदसौर के सरकारी नर्सिंग कॉलेजों को समिति ने अनसूटेबल करार दिया है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद कॉलेज शुरू करने के लिए स्वयं का 100 बिस्तर का अस्पताल होने की अनिवार्यता इस वर्ष के लिए खत्म कर दी है।

मुख्यमंत्री नहीं संभाल पा रहे हैं गृह मंत्रालय, पुलिस निरंकुश: पटवारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की जतना खासकर दलित, आदिवासियों और महिलाओं पर भाजपा द्वारा संरक्षित दबंगों द्वारा हो रहे दुराचार, अत्याचार और ध्वस्त कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि शिवपुरी में खेत के बोर से पानी लेने पर संरपंच के बेटे और परिजनों से विवाद होने पर सरपंच और उसके परिजनों द्वारा एक दलित युवक की लाठियों से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी गई। यह दृश्य सुनने में इतना अमानवीय, वीभत्स और हृदय विदारक है तो देखने में क्या स्थिति रही होंगी? कोई भी व्यक्ति इतना विभत्स और कठोर कार्य कैसे कर सकता है? पटवारी ने आरोप लगाया कि मप्र में आये दिन इस तरह की घटनाएं रोज हो रही हैं। दलितों-आदिवासियों के साथ अमानवीय व्यवहार और हिंसा, महिलाओं के साथ बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, छेड़छाड़ की घटनाएं रोजमर्रा का विषय बन गई हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, जिनके पास गृह मंत्रालय का भी दायित्व हैं, वे ना तो पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते हैं, न ही अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस महकमें को कोई निर्देश देते हैं। ऐसी स्थिति में पुलिस विभाग निरंकुश और स्वेच्छाचारी हो गया है।

संपादकीय

एक लंबी बहस पर विराम

दो दिन पहले ही देश ने संविधान दिवस मनाया है। इसी बीच हमारे संविधान की प्रस्तावना के दो शब्दों - धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी - को लेकर करीब आधी सदी से जारी बहस पर सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से पूर्ण विराम लगा दिया। सर्वोच्च अदालत ने इससे जुड़ी याचिका को खारिज करते हुए दो बातें बिल्कुल साफ कर दीं। एक तो यह कि संविधान की प्रस्तावना में इन दो शब्दों को जोड़ना गलत नहीं था और दूसरी यह कि एक और संविधान संशोधन के जरिए इन शब्दों को प्रस्तावना से हटाने की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है। इस क्रम में अदालत ने बहस के कई अहम पहलुओं पर रोशनी डाली, जिससे फैसले की सार्थकता और बहस की निरर्थकता दोनों स्पष्ट होती है। जैसा कि इस मामले में अदालत में दायर याचिका से भी स्पष्ट है, संविधान की प्रस्तावना में इन दो शब्दों को जोड़े जाने के लिए किए गए संशोधन को दो मुख्य आधारों पर गलत बताने की कोशिश की जाती रही थी। एक तो यह कि 1976 में यह संशोधन तब किया गया, जब लोकसभा का नियमित कार्यकाल समाप्त हो चुका था। दूसरी बात यह कि संविधान निर्माता इन दो शब्दों को जोड़े जाने के प्रस्ताव पर विचार करने के बाद उसे नामंजूर कर चुके थे। सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों आधारों को खारिज कर दिया। फैसले ने इस तथ्य की ओर फिर से ध्यान खींचा कि प्रस्तावना में सेक्युलर शब्द जोड़े जाने से पहले भी संविधान का ढांचा सेकुलर ही था। समय-समय पर अलग-अलग मामलों में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से भी इस बात की तस्दीक होती रही है। जहां तक ये दो शब्द जोड़े जाने का सवाल है तो सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक देश की संसद को इस तरह के संशोधन करने का पूरा अधिकार है। लेकिन चूंकि ये शब्द संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं, इसलिए इन्हें प्रस्तावना से हटाने की कोई भी कोशिश असंवैधानिक मानी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने रेखांकित किया है कि चाहे धर्मनिरपेक्ष हो या समाजवादी, ये शब्द हमारे संविधान की प्रगतिशीलता को बनाए रखने में सहायक हैं। जहां धर्मनिरपेक्षता नागरिकों की समानता और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मूल अधिकारों को सुनिश्चित करती है, वहीं समाजवाद के प्रति निष्ठा राज्य के कल्याणकारी स्वरूप को बनाए रखने में मदद करती है। ये शब्द नीति निर्देशक तत्वों में दिए गए समान आचार संहिता जैसे लक्ष्यों की ओर बढ़ने में भी किसी तरह की बाधा खड़ी नहीं करते। कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने स्पष्ट कर दिया है कि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद जैसे शब्दों और मूल्यों से पीछा छुड़ाने की हाल के वर्षों में तेज हुई प्रवृत्ति को स्वस्थ और प्रगतिशील नहीं माना जा सकता। बेहतर होगा, ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा न दिया जाए। संविधान की मूल भावना के साथ ही देश बढे तो यह ज्यादा बेहतर होगा। हाल के चुनाव के वक्त भी संविधान एक चर्चा का विषय रहा है। राजनीतिक दल भी सियासी मंचों पर इसे लेकर अलग अलग विचार व्यक्त करते रहे हैं। मगर जैसा कि राष्ट्रपति ने भी संविधान दिवस के मौके पर संसद के संयुक्त सत्र में कहा भी है कि संविधान की भावना के मुताबिक ही हमारी विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने का काम करें, संविधान में प्रत्येक नागरिक के मूल कर्तव्य का स्पष्ट उल्लेख है। हमारा संविधान जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज भी है।

अपने राज़ कभी भी किसी को न बताएं। यह आपको नष्ट कर देगा।

-चाणक्य

आज का इतिहास

- 1520- फर्डिनान्द मैगलन ने प्रशांत महासागर पार करने की शुरुआत की।
- 1660- लंदन में द रॉयल सोसायटी का गठन।
- 1676- बंगाल की खाड़ी के तट पर महत्वपूर्ण बंदरगाह पुड्डुचेरी पर फ्रांसिसियों का कब्जा।
- 1814- द टाइम्स ऑफ लंदन को पहली बार स्वचालित प्रिंट मशीन से छापा गया।
- 1821- पनामा ने स्पेन से आजाद होने की घोषणा की।
- 1893- न्यूजीलैंड में राष्ट्रीय चुनाव में पहली बार महिलाओं ने मतदान किया।
- 1912- इस्माइल कादरी ने तुर्की से अल्बानिया के आजाद होने की घोषणा की।
- 1956- चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई भारत आए।
- 1966- डोमनिकन रिपब्लिक ने संविधान अपनाया।
- 1990- चुनावों के उपरांत जान मेजर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने।
- 1996- कैप्टन इन्द्राणी सिंह एयरबस ए-300 विमान को कमांड करने वाली पहली महिला बनीं।
- 1997- आईके गुजराल का प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा।
- 1999- एशिया कप हॉकी का खिताब दक्षिण कोरिया ने पाकिस्तान को हराकर जीता, भारत ने कांस्य पदक मलेशिया को हराकर जीता।
- 2001- नेपाल ने माओवादियों से निपटने हेतु भारत से दो हेलीकॉप्टर मांगे।
- 2002- कनाडा ने हरकत उल मुजाहिदीन और जैश-ए-मोहम्मद पर प्रतिबंध लगाया।
- 2006- नेपाली सरकार और माओवादियों के मध्य हथियारों के मैनेजमेंट पर संधि।
- 2007- दो एशियाई देशों के बीच मधुर होते रिश्तों के चलते द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पहली बार चीन के युद्धपोत जापान भेजे गए।
- 2012- सीरिया की राजधानी दमिश्क में दो कार बम धमाकों में 54 मरे और 120 घायल।

निशाना

पूंछ रहे सवाल !!

-कृष्णेन्द्र राय

साध कर निशाना ।
पूंछ रहे सवाल ।।
सच सच बतलाएं ।
करता कौन बवाल ।।
ले लिए हैं हम ।
नया अब अवतार ।।
ना कहो चालाक ।
है यह तो व्यवहार ।।
कथनी और करनी में ।
भले रहा मैं भिन्न ।।
हमको है सताया ।
अंदर से मैं खिन्न ।।
मांग रहा मैं वोट ।
जोड़ लिया है हाथ ।।
ना आगे भटकाना ।
वरना मैं अनाथ ।।

क्या भारत जोड़ो यात्रा विध्वंसकारी थी?

■ **राम पुनियानी**

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान के दौरान भाजपा के शीर्ष नेता, पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने अपनी पार्टी के नजरिए को साफ़ कर दिया. द टाईम्स ऑफ इंडिया को दिए एक साक्षात्कार में और कई भाषणों में उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के बुरे प्रदर्शन का ठीकरा भारत जोड़ो यात्रा पर फोड़ा. उनके मुताबिक भाजपा, यात्रा द्वारा स्थापित किए गए नैरेटिव का कारगर प्रत्युत्तर देने में विफल रही. इसका नतीजा यह हुआ कि भाजपा राज्य में 2019 की 23 के मुकाबले 2024 में मात्र 9 लोकसभा सीटों पर विजय हासिल कर सकी. इसी पृष्ठभूमि में वैकल्पिक नैरेटिव की स्थापना हेतु उन्होंने आरएसएस से जुड़े लगभग 30 संगठनों से संपर्क किया. उन्होंने इस खुले राज का खुलासा भी किया कि जब हालात मुश्किल हो जाते हैं तब वे अपनी पितृ संस्था आरएसएस से विचार-विमर्श करते हैं ताकि भाजपा की चुनावी संभावनाओं को बेहतर बनाया जा सके.

यदि हम पहली यात्रा की बात करें तो उसे 'भारत जोड़ो यात्रा' नाम दिया गया था और वह 7 सितंबर 2022 को दक्षिण भारत से, तमिलनाडु के कन्याकुमारी से प्रारंभ हुई थी. इसका समापन जनवरी 2023 में उत्तर भारत में यानि जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में हुआ था. इस यात्रा ने 12 राज्यों में 4,080 किलोमीटर की दूरी तय की थी. दूसरी यात्रा को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' नाम दिया गया था और यह पूर्व से पश्चिम की ओर हुई थी. यह यात्रा मणिपुर के थोबल से 14 जनवरी 2024 को प्रारंभ हुई थी और 15 राज्यों में 6713 किलोमीटर चलकर 16 मार्च को मुंबई में समाप्त हुई थी. फड़नवीस के मुताबिक अब राहुल गांधी अर्बन नक्सलों और अति वामपंथी तत्वों से घिरे हुए हैं और वे कांग्रेसी कम और अति वामपंथी विचारक ज्यादा बन गए हैं! दक्षिणपंथी अपने गुरू एम. एस. गोलवलकर के नजरिए के मुताबिक (बंच ऑफ थाट्स, पृष्ठ 133) मुसलमानों, ईसाईयां और कम्युनिस्टों को हिन्दू राष्ट्र का आंतरिक शत्रु मानते हैं, और इसलिए फड़नवीस और उनके जैसे लोग हिंदू राष्ट्र के एजेंडे के खिलाफ जो कुछ भी होगा उसे या तो मुसलमानों या ईसाईयों का तुष्टिकरण बताएंगे या अर्बन नक्सलियों या अति वामपंथियों की करतूत. अर्बन नक्सल शब्द का प्रयोग सभी मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के लिए किया

जाता है. अति वामपंथी शब्द का इस्तेमाल समाज के सभी वंचित वर्गों के लिए काम करने वाले लोगों के लिए किया जाता है.

भारत जोड़ो यात्रा (बीजेवाय) की परिकल्पना और उसे निकाले जाने का उद्धेश्य क्या था? स्पष्टतः उस समय तक 8-9 साल पूरे कर चुकी मोदी सरकार के सत्ता में रहने के दौरान भारतीय संविधान में निहित मूल्यों के संरक्षण के पक्ष में उठने वाली आवाजों को दबाया गया था. यह सरकार की नीतियों के कारण समाज में व्याप्त बैचेनी की परिणति थी, वे नीतियां जिनके अंतर्गत मुसलमानों के नागरिक अधिकारों पर प्रहार किया जा रहा था और सामान्य नागरिकों की स्थिति खराब होती जा रही थी. इस यात्रा के जरिए भारत को उसी तरह एक करने का लक्ष्य था जैसा महात्मा गांधी उपनिवेश-विरोधी आंदोलन के जरिए किया था. बीजेवाय का एजेंडा क्या था? जैसा नाम से ही स्पष्ट है, इसका लक्ष्य जाति, रंग, पंथ एवं लिंग की सीमाओं के परे भारतवासियों में एकता की भावना पैदा करना था. साथ ही जातिगत जनगणना सहित समाज के सबसे वंचित वर्गों के अधिकारों की मांगों को उठाना भी था. इस यात्रा का जादुई असर हुआ. समाज के प्रायः सभी वर्गों के लोग या तो इसमें शामिल हुए या उन्हांने इसमें दिलचस्पी ली. उन्होंने यह महसूस किया कि कई वर्षों की बांटने वाली राजनीति और धनी व समृद्ध लोगों की पक्षधर नीतियों से देश की एकता को धक्का पहुंच रहा है और सामान्य लोगों के कष्ट बढ़ रहे हैं. उन्हें ऐसा लगा कि इस यात्रा से हालात कुछ बेहतर होंगे.

यह यात्रा उद्धेश्य एवं प्रभाव की दृष्टि से फड़नवीस की ही पार्टी के लालकृष्ण आडवानी की यात्रा के ठीक विपरीत थी. आडवानी की यात्रा एक भावनात्मक मुद्दे पर थी, जो इस धारणा पर आधारित थी कि एक हिंदू मंदिर को एक मुस्लिम राजा ने सदियों पहले नष्ट कर दिया था. आडवानी की यात्रा के पूरे मार्ग पर हिंसा हुई और खून बहा. और बाद में जब इसके नतीजे में बाबरी मस्जिद ढ़हाई गई तब और हिंसा हुई और समाज में मुस्लिमों के प्रति नफरत बढ़ी. उस यात्रा की वजह से, जिसका फड़नवीस ने उल्लासपूर्वक स्वागत किया था, इस साम्प्रदायिक पार्टी की शक्ति में इजाफा हुआ. यह यात्रा (बीजेवाय) इसके ठीक विपरीत थी. इसमें कोई भावनात्मक मुद्दा नहीं था. इसमें भारतीय संविधान को केन्द्र में रखा गया और भारतीयों को भारतीयता की उनकी पहचान के आधार पर एकताबद्ध किया गया. फड़नवीस को संविधान की पुस्तक के लाल रंग के कव्हर अधिक चिंता है क्योंकि उसमें लिखित शब्दों का उनके लिए कोई महत्व नहीं है. और वे यह भी भूल गए संविधान का यही लाल कव्हर वाला संस्करण उनके सर्वोच्च नेता नरेन्द्र मोदी ने राम नाथ कोविंद को भेंट किया था. बीजेवाय के दौरान यह आशंका व्यक्त की गई थी कि यात्रा के प्रति नजर आ रहा समर्थन किस हद तक चुनावी नतीजों पर असर डालेगा. पूरी तरह तो नहीं, मगर आंशिक रूप से यात्रा ने साम्प्रदायिक पार्टियों के चुनावी प्रभुत्व को कमजोर किया. फड़नवीस द्वारा स्वयं यह स्वीकार करने से कि बीजेवाय का महाराष्ट्र के चुनावों पर असर पड़ रहा है, इस बात के सत्य होने में शंका की कोई गुंजाइश नहीं बचती.

इसके पहले तक हिंदू दक्षिणपंथियों का राष्ट्रवाद का नजरिया ही चर्चाओं के केन्द्र में रहता था. बीजेवाय ने इस बांटने वाले साम्प्रदायिक नजरिये को एक हद तक कमजोर किया है, लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है. इस विभाजक साम्प्रदायिक नजरिए के चलते घृणा, भय और अल्पसंख्यकों के हाशिए पर चले जाने के जो हालात बन गए थे, उसे एक हद तक तो चुनौती मिली है परंतु इस दिशा में अभी और बहुत कुछ किया जाना जरूरी है. महात्मा गांधी ने सभी धर्मों के लोगों को एकता का संदेश देने का जो कार्य बहुत सशक्त तरीके से प्रारंभ किया था, बीजेवाय भी वही करने का प्रयास था और इस काम को और आगे ले जाने की जरूरत है. यात्रा का एक अन्य महत्वपूर्ण नतीजा था सामाजिक आंदोलनों जैसे भारत जोड़ो अभियान और इडुलू कर्नाटा जैसे के लिए आधार तैयार करना. इनमें भारतीय संविधान के मूल्यों को मजबूत करने की क्षमता है. ये आंदोलन, जो समाज के विभिन्न वंचित और असमानता से पीड़ित वर्गों को उनके अधिकार दिलवाने के लिए जुटे हुए हैं, एक-दूसरे से जुड़ रहे हैं और भारतीय संविधान के मूल्यों के संरक्षण हेतु एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं. विविध प्रकार के ये समूह सभी के समान अधिकारां के लिए समर्पित और दृढ़ संकल्पित हैं. सभी के समान अधिकारों का यह विचार दक्षिणपंथियों को अत्यंत नागवार लगता है. उनका 'अधिकारों और कर्तव्यों' का एजेंडा अलग-अलग वर्गों के लिए अलग-अलग है. उनकी दृष्टि में दौलतमन्दों के सिर्फ अधिकार हैं और वंचित वर्गों के सिर्फ कर्तव्य.

यह बहुत कुछ सामंती साम्राज्यों जैसा ही है जहां राजाओं, जमींदारों और पुरोहित वर्गों को सारी अधिकार हासिल रहते हैं और सारे कर्तव्य महिलाओं सहित समाज के निचले वर्गों के होते थे. यही स्थिति धन-संपदा के वितरण के संबंध में भी थी.फड़नवीस के जरिए अब हमें पक्के तौर पर यह पता लग गया है कि बीजेए के कारण बीजेपी के चुनावी प्रदर्शन में गिरावट आई. और फड़नवीस के माध्यम से ही भाजपा, जो खुलकर राजनीति करती है और उसकी जननी आरएसएस (जो चुनावी राजनीति से दूर रहती है) के गहरे रिश्तों की हमारी समझ बेहतर हुई है. यह बात सबको पता थी लेकिन स्वयं भाजपा नेता के अपने मुंह से ये बातें सुनने के बाद अब शंका की कोई गुंजाइश नहीं बचती!

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं यह उनके विचार हैं)

धन्यवाद दिवस- 28 नवम्बर, 2024

कृतज्ञता-संस्कृति से संवरती है जिन्दगी

■ **ललित गर्ग**

हर साल नवंबर के चौथे गुरुवार को अमेरिका समेत कई देशों में थैंक्सगिविंग डे यानी धन्यवाद दिवस, कृतज्ञता दिवस मनाया जाता है। थैंक्सगिविंग आधिकारिक तौर पर छुट्टियों के मौसम की शुरुआत का प्रतीक होता है, जिसे जर्मनी, ब्राजील, कनाडा, जापान और अन्य देशों में भी मनाया जाता है। अमेरिका में इस दिन को क्रिसमस की ही तरह धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग एक-दूसरे का शुक्रिया अदा करते हुए आने वाले साल के लिए सुखद, स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल होने की दुआ करते हैं। यह दिन उत्तरी अमेरिका का एक पारंपरिक त्योहार है, जो एक तरह का फसल पर्व है। अधिकांश धर्मों में फसल कटने के बाद धन्यवाद की प्रार्थना और विशेष धन्यवाद समारोह आम बात है। इस दिन को मनाने का मकसद किसी अपने या अनजान व्यक्ति द्वारा की गई किसी भी तरह की मदद या सहयोग के लिए उनका शुक्रिया अदा करना है। इस दिन आप खास अंदाज में उन्हें शुक्रिया कह सकते हैं। आमतौर पर लोग इस दिन को अपने परिवार और दोस्तों के साथ सेलिब्रेट करते हुए अपने घरों में पारंपरिक भोजन का एक साथ आनंद लेते हैं। थैंक्सगिविंग डे को मनाने की शुरुआत पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रेंकलिन डी रूसवेल्ट द्वारा साल 1939 में की गई थी, जिसे बाद में साल 1941 में अमेरिकी कांग्रेस ने मान्यता दी थी।

कृतज्ञता जरूरी है। सभी धर्मों में कृतज्ञता का एक महत्वपूर्ण स्थान है। कृतज्ञता धार्मिक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार करती है। सिसरो से लेकर बुद्ध तक और अन्य कई दार्शनिक व आध्यात्मिक शिक्षकों ने भी कृतज्ञता को भरपूर बांटा है और उससे प्राप्त खुशी को उत्सव की तरह मनाया है। दुनिया के सभी बड़े धर्म हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध मानते हैं कि किसी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना एक भावनात्मक व्यवहार है और अंत में इसका अच्छा प्रतिफल प्राप्त होता है। बड़े-बड़े पादरी और पंडितों ने इस विषय को लेकर बहुत-सा ज्ञान बांटा है, लेकिन आज तक इन विद्वानों ने इसे विज्ञान का रूप नहीं दिया है। जबकि कृतज्ञता, धन्यवाद एवं शुक्रिया का बड़ा वैज्ञानिक महत्व भी है।

परोपकार एवं उपकार के प्रति आभार व्यक्त करना, कृतज्ञता एवं धन्यवाद ज्ञापित करना मानवीय मूल्य है। भले ही कृतज्ञता के पास शब्द नहीं होते, किन्तु साथ ही कृतज्ञता इतनी कृतघ्न भी नहीं होती कि बिना कुछ कहे ही रहा जाए। यदि कुछ भी न कहा जाए तो शायद हर भाव अव्यक्त ही रह जाए, इसीलिए 'आभार' मात्र औपचारिकता होते हुए भी कहीं गहराई में एक प्रयास भी है अपनी कृतज्ञता प्रकट करने का, अपने को सुखी और प्रसन्न बनाने का। किसी के लिए कुछ करके जो संतोष मिलता है उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। फिर वह कड़कती ठंड में किसी गरीब को एक प्याली चाय देना ही क्यों न हो और उसके मन में 'जो मिला बहुत मिला-शुक्रिया' के भाव हों तो जिंदगी बड़े सुकून से जी जा सकती है, काटनी

नहीं पड़ती।

अमेरिकी लोग दुनियाभर में कई रोज़मर्रा की स्थितियों में 'धन्यवाद' कहने के लिए जाने जाते हैं । हालाँकि इनमें से कुछ 'धन्यवाद' निस्संदेह दिल से कहे जाते हैं, लेकिन कई नियमित भी होते हैं और बिना किसी भावना के कहे जाते हैं। यह देखते हुए कि अमेरिकी कितनी बार 'धन्यवाद' कहते हैं, यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि दुनिया भर की कई अन्य संस्कृतियों में, लोग शायद ही कभी 'धन्यवाद' कहते हैं। भारतीय संस्कृति में कृतज्ञता को बहुत बड़ा गुण माना जाता है। भारतीय संस्कृति में बड़ों और गुरुओं का सम्मान करने पर ज़ोर दिया जाता है। महाभारत में कहा गया है कि उपकार को न याद रखने वाले कृतघ्न व्यक्ति का उद्धार नहीं होता। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए, खुशी को अपनाना चाहिए क्योंकि खुशी और कृतज्ञता एक-दूसरे को बढ़ाते और मज़बूत करते हैं। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए ध्यान, सकारात्मक चिंतन और कृतज्ञता के अभ्यास को अपनाने की बात कही गयी है। इस भावना को बढ़ाने के लिए रिश्तों, अनुभवों और जुड़ाव के क्षणों को महत्व देना चाहिए। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए, अपने कार्यों, विचारों एवं व्यवहारों का प्रभाव दूसरों पर भी पड़ता है, इस बात को समझने की अपेक्षा है।

हर व्यक्ति जितना अपने दुःखों से पीड़ित नहीं है, उससे ज्यादा वह दूसरों के सुखों से पीड़ित है। इसीलिये वह दुखी होता जारहा है। उसकी संकीर्ण मानसिकता एवं छोटी सोच का ही परिणाम है कि वह दुखों का सृजन करता है। इसके बावजूद वह सोचता है कि ऐसा मेरे साथ ही क्यों हुआ या फिर दुनिया के सारे दर्द मेरे लिए ही क्यों बने हैं, जबकि अगर सोचा जाए तो महत्वपूर्ण यह नहीं होता कि आपके पास पीड़ाएं कितनी हैं, जरूरी यह होता है कि आप उस दर्द के साथ किस तरह खुश रह जाते हैं। इसलिए जो कुछ भी बचा है, उसे गले लगाएं बजाए कि खोए हुए का गम मनाने के। जब हमारी दिशाएं सकारात्मक होती है जो हम सृजनात्मक रच ही लेते हैं। हमें कृतज्ञ तो होना ही होगा, क्योंकि इसके बिना छोटी-छोटी तकलीफे भी पहाड़ जितनी बड़ी बन जाती है। एक जिंदगी जीता है, दूसरा उसे ढोता है। एक दुःख में भी सुख ढूंढ लाता है, दूसरा प्राप्त सुख को भी दुःख मान बैठता है। एक अतीत भविष्य से बंधकर भी वर्तमान को निर्माण की बुनियाद बनाता है, तो दूसरा अतीत और भविष्य में खोया रहकर वर्तमान को भी गंवा देता है। इसी सोच ने पश्चिमी देशों में धन्यवाद दिवस को बड़ी व्यापकता दी है।

महान् दार्शनिक संत आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा भी है कि यह बड़ी विचित्र बात है कि सद्गुण आदमी प्रयत्न करने पर भी जल्दी नहीं सीख पाता और दुर्गुण बिना किसी प्रयत्न के ही सीख लेता है, वैसे ही अच्छे बोल और मृदुभाषिता आदमी प्रयास करने पर भी जल्दी से नहीं सीख पाता और गाली तथा अपशब्द बिना प्रयास के ही सीख लेता है। इस प्रवृत्ति को बदलकर ही सुख पाने के प्रयत्न सफल हो सकते हैं। सोच को बदलना होगा, जिस संकीर्ण एवं विकृत सोच के साथ रहने से मन और भावों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा हो, वृत्तियां कलुषित और उच्छृंखल हो रही हों, जीवनशैली में विकृति आ रही हो, उनका साथ छोड़ देना ही हितकर है।

वाल्मीकि ने रामायण में भी इस बात का उल्लेख किया है कि परमात्मा ने जो कुछ तुमको दिया है, उसके लिए उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करो। हालांकि इसका विज्ञान बस इस छोटे से वाक्य में समाहित है कि जितना आप देंगे, उससे कहीं अधिक यह आपके पास लौटकर आएगा, लेकिन इसे समझ पाना हर किसी के वश की बात नहीं है। 'कितना दें और क्यों' इस बात में बिल क्लिंटन ने देने का गणित बेहतर ढंग से समझाया है।

औरों में दोष देखने की छिद्रान्वेषी मनोवृत्ति कृतज्ञता-संस्कृति की बड़ी बाधा है। लोग हमेशा इस ताक में रहते हैं कि कौन, कहां, किसने, कैसी गलती की। औरों को जल्द बताने की बेताबी उनमें देखी गई है, क्योंकि उनका अपना मानना है कि इस पहल में भरोसेमंद इंसान की पहचान यूं ही बनती है। यह भ्रामक सोच अनेक समस्याओं की जनक है। वास्तविकता यही है कि सुख प्राप्ति के लिए आदमी दुख के उत्पादन का कारखाना चला रहा है। अपने मिथ्या दृष्टिकोण के कारण वह दुख को जनरेट कर रहा है। सुख को पाने की चाह है तो दृष्टिकोण को सम्यक बनाकर सुख प्राप्ति के अनुरूप कार्य करना होगा। हमारे पास दो रास्ते हैं या तो हम दीप हो जाएं, जो उसे दुगुना कर देता है, लेकिन इसके लिए कुछ सार्थक करना होता। धन से प्रेरित होकर नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों से प्रेरित होकर। क्योंकि बड़े-बड़े धन के अम्बार और महंगे साज-ओ-सामान के बजाय सार्थक संकल्प एवं कृतज्ञता का भाव जीवन को अधिक सुख देते हैं, प्रसन्न बनाते हैं।

(साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।)

बारधा उद्वहन सिंचाई योजना बंद: पानी को तरसे खेत, किसानों का पैसा जमीन में दफन

पुनीत मालवीय इटारसी, दोपहर मेट्रो

केसला ब्लॉक से लगभग 20 किमीटर दूर ग्राम बारधा रैयत के आदिवासी किसान अपने खेतों में पानी के पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। कुछ वर्ष पूर्व इन किसानों को इस योजना से पानी मिला, लेकिन इस वर्ष फिर जल संसाधन विभाग ने बजट का रोना रोकर किसानों को पानी नहीं दिया। नतीजा यह हुआ कि खेत पानी को तरह से हैं और जिन्होंने पानी की आस में बोवनी कर दी, उनका पैसा सूखी जमीन में दफन हो गया है। इन किसानों को बारधा उद्वाहन लघु सिंचाई परियोजना के तहत लिफ्ट एवं 75-

सीएम से मिलेंगे किसान, बताएंगे योजना की हकीकत

75 हार्सपॉवर के तीन मोटर जनरेटर से पानी नहीं मिल रहा है, इस साल बजट नहीं होने से जनरेटर नहीं चल पा रहा है। इस वजह से किसानों को रबी फसल के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। किसान श्रीराम यादव का कहना है कि गांव की करीब सौ हेक्टेयर भूमि पानी के इंतजार में है, कई किसान खेतों में बीज डाल चुके हैं, कुछ पानी के इंतजार में हैं। जिन्होंने बीज डाल दिया, उनका पैसा मानों जमीन में ही दफन हो गया है, क्योंकि विभागीय अधिकारी बजट नहीं होने की बात कह रहे हैं।

सौ से अधिक किसानों की आस टूट रही

बारधा उद्वहन लघु सिंचाई परियोजना से लिफ्ट के जरिए मोटरों से गांव बारधा समेत आसपास के गांवों के लगभग 100 से अधिक किसानों की सौ हेक्टेयर फसल सिंचित होती थी। सिंचाई विभाग के अधिकारी इस परियोजना को बिजली कनेक्शन न होने से जनरेटर से चला रहे थे। विभाग कुछ दूर पाइप लाइन बिछाकर नहर में पानी छोड़ता है। जहां से किसानों के खेतों में पानी

पहुंचाया जाता है। किसान गोकुल कुरकांजी कहना है कि बारधा रैयत में लगभग 100 किसान खेती करते हैं, जिनका रकबा लगभग 100 हेक्टर है। किसानों ने महंगे बीज- खाद लिए हैं। अगर नहर से सिंचाई के लिए पानी नहीं मिला तो किसानों के परेशानी हो जाएगी।

डीजल की व्यवस्था करे

विभाग किसान संजू ने कहा कि पानी नहीं होने से गेहूं, चना और सरसों की फसल खत्म हो जाएगी। किसानों को इस नुकसान से बचाने के लिए प्रशासन बारधा सिंचाई परियोजना के जनरेटर के लिए डीजल की व्यवस्था करें, ताकि 100 से अधिक किसानों को पानी मिल सकें। किसानों का कहना है कि शिवराज सिंह के राज में पानी मिला है, इस वर्ष किसानों को पानी मिलना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में किसानो को अब जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट और मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलने के अलावा कोई चारा नहीं है, जल्द ही किसान भोपाल जाकर विभागीय मंत्री और मुख्यमंत्री से मिलकर योजना की जमीनी सच्चाई से अवगत कराएंगे।

इनका कहना है

"हमने अपने यहां से सारी कार्यवाही करके अनुमति के लिए उच्च स्तर पर भेज दिया है, अभी तक अनुमति नहीं आयी है। यदि अनुमति आयी तो पानी मिल जाएगा, हमारी कोशिश है कि जल्द से जल्द पानी मिल जाए।"

-अंकित सराफ, ईई जल संसाधन

ग्रामीणों ने की कलेक्टर और सीसीएफ से शिकायत

वन विभाग की भूमि को अपनी जमीन बताकर स्टांप पर कर दिया खोट नामा

संतोष सिंह चंदेल/सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा के विधानसभा क्षेत्र में जमीनों की खरीदी और बिक्री के गोरख धंधे में अब रोज नए-नए मामले सामने आ रहे हैं। अभी हाल ही में सिवनी मालवा के वन ग्राम सुकलढाना मैं जिला कलेक्टर के फर्जी सील साइन से आदिवासी की जमीन की बिक्री का मामला सुर्खियों में बना हुआ है जिसकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

इस फर्जी बाड़े में आदिवासी की जमीन को सिवनी मालवा के रसूखदार परिवार ने अपने नाम पर कर ली है जिसकी सिवनी मालवा पुलिस द्वारा बारीकी से जांच चल रही है। तो वही दूसरी ओर सिवनी मालवा विधानसभा के अंतर्गत आने वाले तवानगर के पास ग्राम चिचा का एक मामला सुर्खियों में उस समय सामने आया की जब ग्रामीणों द्वारा इस बात की शिकायत कलेक्टर और वन विभाग के आल्हा अधिकारियों को करने के बाद भी कोई करवाही नहीं हुई। ग्रामीणों ने अपनी शिकायत में

वन विभाग की भूमि पर अवैध कब्जा

बताया कि मेला राम यादव निवासी झलाई जो कुछ दिनों पहले विस्थापित होकर बाहर से आया है उसने वन विभाग की जिस ज़मीन को जियालाल पिता बाबूलाल ने अपने कब्जे और अपने स्वामित्व की बता कर उस जमीन को स्टांप पेपर पर नोटरी करा कर मेला राम को सिकमी दे दी गई बात यही नहीं रुकी जब उस स्टेम पेपर का अवलोकन किया गया तो फर्जी वाडा और सामने आया कि, उस स्टेम पेपर पर 8/10 लोगों के गवाह के रूप मे हस्ताक्षर हैं और सबसे मजे की बात यह है कि, उस पर ग्राम की सरपंच सुखिया बाई और अपने पति हरिप्रसाद मरकाम और एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता यशोदा बाई के भी हस्ताक्षर करवा लिए एक महिला सरपंच होकर वन ग्राम में विकास कार्य करने की जगह, भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े को बढ़वा दे रही हैं और जिन ग्रामीणों ने उन्हें अपना वोट दे कर सरपंच बनाया उन्हीं ग्रामवासियों की अनदेखा कर रही हैं।

जिस जमीन पर वन विभाग ने प्लांटेशन करवाया था उसे दे दी सिकमी से

विधायक प्रतिनिधि श्रीमती रीता सिंह ठाकुर ने बताया की सन 2010 ओर 2013 के बीच (एनबीटी) स्टेम पेपर में तीन एकड़ जमीन दर्शाई गई है उस ज़मीन पर प्लांटेशन हुआ था, अब

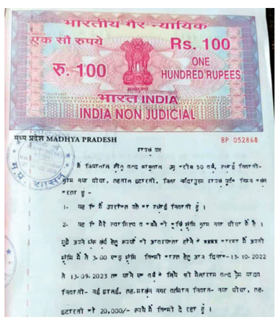

तीन एकड़ भूमि पर पेड़ काटकर उसे कृषि भूमि बनाई जा रही थी उस समय वन विभाग की मिली भगत से प्लांटेशन के पेड़ गोल हो गए और जमीन का उपयोग कृषि भूमि के रूप में होने लगा। ग्रामीणों ने इस बात की शिकायत 9/10/2024 को राज्य सभा सांसद श्री मति माया नारोलिया की गई से शिकायत पर एक जंच टीम बनाई गई लेकिन स्थिति जस के तस बनी हुई। उन्होंने बताया की वन विभाग के डिप्टी लखन पटेल और, रेंजर गौर द्वारा कोई पुख्ता कार्यवाही आज तक नहीं की गई इस तीन एकड़ जमीन का जो प्लान टेंशन किया गया था वह कहा है और एक विस्थापित व्यक्ति को बिना पट्टे की ज़मीन सिकमी पर कैसे दी गई जो एक बड़ी जांच का विषय है ?

इनका कहना है

"वही शिकायत करने वाले ग्रामीणों के साथ लखन लाल भलावी पूर्व सरपंच ने बताया की इस मामले की जांच कर रहे रेंजर द्वारा जो पंचनामा बनाया था उसकी एक प्रति हमे मांगने पर भी नहीं दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि मेला राम यादव की तीन दर्जन मवेशियों द्वारा गांव बालों की फसलो को बार बार नुकसान पहुंचाया जा रहा है जिससे ग्रामीण जन परेशान है। इस बात की शिकायत कई दिनों से करते चले आ रहे हैं लेकिन कोई निराकरण आज भी नहीं निकला है।"

दिसंबर तक वार्ड 26 में आंगनबाड़ी केंद्र बनकर हो जायेगा तैयार

नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने आज वार्ड क्रमांक सात में बन रही नाली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका सीएमओ श्रीमती रितु मेहरा, उपयंत्री सुरेन्द्र रावत, पार्षद प्रतिनिधि मनीष चौधरी मौजूद थे।

नगरपालिका अध्यक्ष श्री चौरे ने यहां नाली निर्माण के रास्ते में आ रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए निर्देश दिए हैं, साथ ही नागरिकों से भी कहा है कि वे सहयोग करे।

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने नाली निर्माण के रास्ते में आ रहे अतिक्रमण को हटाने के दिए निर्देश

वहीं नगरपालिका अध्यक्ष श्री चौरे ने वार्ड क्रमांक 26 में आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान पार्षद कुंदन गौर, श्रीमती रितु मेहरा, महिला बाल विकास अधिकारी दीप्ति शुक्ला मौजूद थे। यहां आंगनवाड़ी में कुछ कार्य और शेष है हालांकि नगर पालिका अध्यक्ष ने निर्माण ठेकेदार अर्पित जैन को निर्देश दिए की दिसंबर माह में इसे प्रारंभ करना है।

संविधान दिवस पर आयोजित हुई विभिन्न गतिविधियां

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

कार्यालय आयुक्त शिक्षा, मध्य प्रदेश शासन ,सतपुड़ा भवन भोपाल के आदेश अनुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम में संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्राध्यापक गण व छात्र-छात्राओं ने संविधान के महत्व को समझा और उसके द्वारा प्रदत अधिकारों के महत्व को समझने का अवसर प्राप्त किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ संविधान के प्रस्तावना के वाचन से किया गया. प्राचार्य डॉक्टर रामकुमार चौकसे ने संविधान के महत्व को एवं संवैधानिक वाद विवाद को देखने के लिए लिंक की जानकारी दी। उन्होंने संवैधानिक मूल्यों के निर्वाह से संबंधित विषयों पर भी जानकारी दी.यह पूरी गतिविधि प्राचार्य के सानिध्य में संपन्न हुई।

इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे नुक्कड़ नाटक, संवैधानिक विषयों पर भाषण एवं पोस्टर मेकिंग का आयोजन किया गया।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम रूशाली गहलोत, द्वितीय पूजा बानिया,तृतीय संबल अली रहे।

P.com. में प्रथम सानिया एवं द्वितीय स्थान पर नेहा रही।

सभी विजेताओं को अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ एल एल शर्मा थे. इस अवसर पर डॉ अमिता जोशी , डॉ संजय चौधरी , डॉ अरुण शर्मा ,डॉ अपूर्वा वर्मा एवं अन्य प्राध्यापक गण एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

'हम होंगे कामयाब' जागरूकता अभियान से दिया बाल विवाह मुक्त भारत का संदेश

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

हम होंगे कामयाब जागरूकता अभियान के अंतर्गत सिवनी मालवा जनपद पंचायत के सभाकक्ष में परियोजना स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमति श्रुति चौधरी एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती रेखा यदुवंशी के द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण हेतु वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण दिखाया गया एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी द्वारा बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई ।आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं समूह की महिलाओं आशा कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्र में होने वाले विवाह के विषय में जानकारी होना चाहिए और यह भी

जानकारी होना चाहिए कि यह विवाह कहीं बाल विवाह तो नहीं है इस हेतु जन्मतिथि संबंधित दस्तावेज का रिकार्ड वह स्वयं अपने पास रखें इसके पश्चात बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा उपस्थित समस्त महिलाओं कार्यकर्ताओं एवं कर्मचारियों को शपथ ग्रहण कराई गई कार्यक्रम में पर्यवेक्षक श्रीमती मीनाक्षी लोवंशी, चंद्रकला बिंडैया, महिलाएं, कार्यकर्ताएं, उपस्थिति रही।

मेट्रो एंकर पैक्स, डेयरी और मछली सोसाइटियों के गठन को लेकर अहम निर्णय

ग्राम पंचायतों में होगी नई सोसाइटियां गठित

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित जिला सहकारी विकास कमेटी (डीसीडीसी) की बैठक में जिले की समस्त पंचायतों में पैक्स (पैक्स), डेयरी और मछली सोसायटियों के गठन के संबंध में निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की सहकार से समृद्धि योजना के अंतर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में एक पैक्स, डेयरी या मछली सोसायटी के गठन को अनिवार्य किया गया है।

बैठक में बताया गया कि जिले की कुल 427 ग्राम पंचायतों में से

225 पंचायतों में वर्तमान में पैक्स, डेयरी या मछली सोसायटी का गठन नहीं किया गया है। कलेक्टर ने इन पंचायतों में आगामी पांच वर्षों में उक्त सोसायतियों के गठन के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इन सोसायतियों को बहुउद्देशीय रूप में स्थापित किया जाएगा, जिसमें किसानों से संबंधित सभी कार्य जैसे खाद-बीज वितरण, ऋण वितरण, दुग्ध संकलन और मत्स्य पालन कार्य किए जाएंगे। इससे किसानों को अपने गांवों में ही आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

डेयरी समितियों का गठन

बैठक में उप आयुक्त सहकारिता ने जानकारी दी कि जिले के बाबई, सोहागपुर, पिपरिया और इटारसी में 21 डेयरी समितियों के गठन हेतु भोपाल दुग्ध संघ द्वारा पंचायतों का चयन कर लिया गया है। आगामी महीने के अंत तक 5 सोसायटियों का गठन पूरा कर लिया जाएगा।

एसपी ने किया पिपरिया थाने का निरीक्षण

नर्मदापुरम। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह द्वारा पुलिस थाना पिपरिया एवं एसडीओपी कार्यालय पिपरिया का वार्षिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा थानों में संधारित रजिस्टर , मालखाना , हवालात एवं सीसीटीवी कैमरे चेक किये एवं गंभीर अपराधों एवं सम्पत्ति संबंधी अपराधों में कमी लाने हेतु आदेशित किया गया।

कलेक्टर ने अभियानों का जायजा लिया और योजनाओं से लाभान्वित हुए हितग्राहियों से संवाद किया

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बुधवार को बासौदा तहसील क्षेत्र के ग्रामों में भ्रमण कर शासन के संचालित महत्वपूर्ण अभियानों की क्रियान्वयन का स्थलीय जायजा लिया वही भ्रमण के दौरान लाभान्वित हुए हितग्राहियों से संवाद किया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने अम्बा नगर ग्राम पंचायत में राजस्व महा अभियान की निहित बिंदुओं के क्रियान्वयन के संबंध में पूछताछ की उन्होंने किसानों की ई केवाईसी के कार्य हेतु सुगमता से किसानों को जानकारी मिल सके इसके लिए ग्राम पंचायत भवन की दीवार पर सुची चस्पा की गई है। उसमें कारणों को रेखांकित करने के निर्देश दिए हैं। इस से पहले कलेक्टर ने अम्बानगर चौराहे के समीप अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर गौ वंश के लिए गौशाला की तर्ज पर किए जा रहे प्रबंधों का निरीक्षण किया है ।

कालोनी की तर्ज पर आवासों का निर्माण

कलेक्टर रोशन कुमार सिंह कंजना पठार क्षेत्र में विभिन्न

योजनाओं के तहत निर्मित कराए गए आवासों का अवलोकन किया यहां उन्होंने कॉलोनी की तर्ज पर बनाया जा रहा है आवासों से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों से व्यक्तिगत संवाद का उनसे अन्य योजनाओं के हितलाभों से प्राप्ति के संबंध में जानकारी प्राप्त की है इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत द्वारा जो कालोनी डेव्हलप की है उसमे सभी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है उन्होंने हितग्राहियों से संवाद के दौरान पीएम किसान, आयुष्मान समेत और क्या-क्या योजनाओ का लाभ मिल रहा है के संबंध में भी जाना है।

फार्मर रजिस्ट्री का लाभ उठाएं

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने उदयपुर के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास निरीक्षण के दौरान मीडियाकर्मियों से संवाद के दौरान जिले के सभी कृषकबंधुओं से अपील की है कि वह शासन की योजनाओ का लाभ लेने के लिए फार्मर रजिस्ट्री का लाभ अवश्य उठाए। चूंकि कृषकबंधुओं का शासन की किसी भी योजना का लाभ लेने के लिए पीएम किसान आईडी बनवाया जाना महत्वपूर्ण है इसके लिए वह स्थानीय स्तर पर मौजूद पटवारियों से सम्पर्क कर सभी आवश्यक जानकारियां व दस्तावेंज उपलब्ध कराएं। इसके अलावा उन्होंने ई केवायसी के संबंध में कहा कि सभी किसान बंधु, आधार और मोबाइल नम्बर अवश्य रूप से अपडेट रखें। खसरे को आधार एवं समग्र आईडी से लिंक कराएं। इस दौरान उन्होंने राजस्व महा अभियान तहत क्रियान्वित कार्यो के संबंध में भी मीडियाकर्मियों से जानकारियां सांझा करते हुए कहा कि राजस्व महा अभियान में सभी पात्रो को लाभ मिले इस दिशा में कार्य किए जा रहे है कोई भी शासन की योजना का लाभ लेने से वंचित ना रहे।

पुरातत्व विभाग की अनदेखी से अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ता छोटी मदागन शिवालय

साफ सफाई के अभाव में जगह जगह लगे हैं गंदगी के ढेर

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

छोटा किंतु खूबसूरत शिवालय मध्य प्रदेश के विदिशा जिले की लटेरी नगर में स्थित है। मंदिर एक ऊंचे प्लेटफार्म पर बना हुआ है,और इसकी भित्तियों पर हिंदू देवी देवताओं की प्रतिमाओं को बड़ी ही सुंदरता से उकेरा गया है।मंदिर परमार कालीन कला का खूबसूरत उदाहरण है,किंतु ऐसा जान पड़ता है कि इसे संभवतारू ग्रामीणों ने विना किसी पुरातात्विक प्रोफेशनल की मदद से स्वयं ही री असेंबल किया होगा,जिससे खूबसूरती में कुछ हद तक कमी आ गई है।

हम बात कर रहे है लटेरी नगर के पास स्थित शिवालय की , इस मंदिर को पूर्व मंत्री स्वर्गीय श्री लक्ष्मी कांत शर्मा जी द्वारा पुरातत्व विभाग में अपने प्रयासों से जुड़बाया था, पूर्व मंत्री लक्ष्मी कांत शर्मा द्वारा यहां पर विकाश कार्य भी किए गए थे,तब लोगों को लगने लगा था कि अब मंदिर का विकाश होगा लेकिन पूर्व मंत्री लक्ष्मी कांत जी के स्वर्गबासी होने के बाद ऐसा कुछ नहीं हुआ , पुरातत्व विभाग में यहां पर सिर्फ एक बाउंड्री वॉल

बनाकर इसे शिवालय को अपने ही हाल पर छोड़ दिया, इस शिवालय की देखरेख के लिए पुरातत्व विभाग ने दो कर्मचारी रखे हैं,इनमें से सिर्फ एक कर्मचारी ही आकर साफ सफाई करता है। जो बाउंड्री वॉल का निर्माण किया गया था वह भी जगह-जगह से टूट गई है इसके गेट भी टूट कर अलग थलग हो गए हैं,रात भर यहां मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है।बरसात के मौसम में मंदिर में पानी का रिसाब भी हो रहा है।

प्राचीन कुंड को भी अपने जीर्णोद्धार का इंतजार

मंदिर से लगा हुआ एक प्राचीन कुंड भी है,जो संभवत,

परमारकालीन हैं कुंड में अब भी पर्याप्त जल रहता है,लेकिन अब कुंड खंड विखंड की कंडीशन में चला जा रहा है।मंदिर प्रांगण में ही राज्य पुरातत्व विभाग के द्वारा एक छोटी डिपॉजिटरी बनाई गई है जिसमे मंदिर परिसर और आस पास के क्षेत्र से प्राप्त कुछ प्रतिमाएं रखी हुई है,इसमें भी पानी टपकता रहता है।

विकास के इंतजार में टक टकी लगाकर जन प्रतिनिधियों की ओर देखा रहा शिवालय-पूर्व मंत्री लक्ष्मी कांत शर्मा जी के स्वर्गबासी होने के बाद यहां पर किसी जन प्रतिनिधि ने ध्यान नहीं दिया ।आज भी यह शिवालय अपने विकाश के लिए अपने जीर्णोद्धार के लिए जन प्रति निधियों की राह निहार रहा है । किकाशरू कोई ऐसा जन प्रति निधि आए और मेरी सुध ले सके।

इनका कहना है

" नगर परिषद द्वारा सुलभ शौचालय कॉपलेक्स बनाया गया था , जो यहां से दूर बना दिया गया,वह अनुपयोगी है उसमे घांस भूसा भरा हुआ है,मंदिर की बाउंड्री बाल टूट चुकी है गेट भी खराब हो चुके हैं बारिश में मंदिर परिसर में पानी भर जाता है जिससे परेशानी होती है।। "

– सौरभ शर्मा
पुजारी छोटी मदागन

परसोरा समिति में बाजार से खरीद कर तौल रहे थे सोयाबीन, नायब तहसीलदार ने पकड़ी चोरी, सर्वयरों को हटाया

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

परसोरा सहकारी समिति के द्वारा बाजार से घटिया क्वालिटी के खरीदे हुए सोयाबीन की खरीदारी करने के काम किया किया जा रहा है । इनकी चोरी को नायब तहसीलदार ने पकड़ लिया। इसके बाद सर्वेयर को हटाकर पंचनामा बनाया गया है। केंद्र पर बाजार से खरीद कर मिट्टी मिला हुआ सोयाबीन ठिकाने लगाने का कम किया जा रहा था शिकायत के बाद नायब तहसीलदार विकास अग्रवाल कृषि विभाग के सुपरवाइजरों के साथ मौके पर पहुंचे तो पाया गया है की डेढ़ सौ बोरी के करीब मिट्टी युक्त सोयाबीन तुलवाने का कार्य किया गया। इसके बाद सबसे पहले सर्वयरों को हटाया गया उसके बाद आगे की कर्रवाई के लिए पंचनामा बनाकर उक्त सोयाबीन को वेयरहाउस में सरकारी खरीदी से बाहर करने के लिए प्रतिवेदन बनाया गया अगे की कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों को प्रतिवेदन भी भेजने की बात नायब तहसीलदार के द्वारा की गई है। कई दिनों से इस सरकारी खरीदी केंद्र पर बाजार से खरीद कर घटिया क्वालिटी का सोयाबीन ठिकाना लगाने का काम किया जा रहा था पूरे मामले की जांच की जाए तो बड़ा गड़बड़ झाला उजागर हो सकता है। किस व्यक्ति के द्वारा किसानों के नाम पर पंजीयन करवा कर बाजार का सोयाबीन घटिया क्वालिटी का यहां पर ठिकाने लगाने का काम किया जा रहा है। ऐसे लोगों तक प्रशासन के हाथ पहुंचेंगे या फिर मामले को दबा दिया जाएगा सबसे बड़ी बात तो है कि सर्वयर के अलावा अन्य जिम्मेदारों भी के द्वारा भी जांच के बाद ही तुलाई करवाई जाती हैं। सभी ने कैसे आंखें बंद करके गुणवत्ता विहीन सोयाबीन को तुलवाने का कार्य कर दिया पहले भी कई लोगों के नाम पर घटिया सोयाबीन यहां बेचने का कम किया गया है उसकी भी जांच होनी चाहिए।

कुरवाई बस स्टैंड पर मैदे का लिया सैम्पल, घरेलू गैस सिलेण्डर मय भट्टी जप्त करने की कार्रवाई

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर के निर्देश पर विदिशा जिले में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वालों की दुकानो व प्रतिष्ठानों का निरीक्षण तथा खाद्य सामग्रियों की जांच का कार्य सतत जारी है। इसी क्रम में आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप वर्मा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी वैशाली दांगी ने राजस्व टीम के साथ कुरवाई के बस स्टैंड स्थित ठाकुर रेस्टोरेंट में विक्रय हेतु संग्रहित गुलाब जामुन तथा समौसा और कचोरी बनाने में प्रयुक्त किये जा रहे मैंदा का नमूना लेकर सील बंद किया गया है जिसे जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा जाएगा। इसके अलावा मंडी बामौरा रोड स्थित श्रद्धा फैमिली पैलेस पर घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक उपयोग पाए जाने पर एक गैस सिलिंडर मय भट्टी रेगुलेटर के जप्त करने की कार्रवाई की गई है।

भाजपा नेता कुरैशी त्योहार कमेटी का ब्लॉक अध्यक्ष

सिरोंज। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के जिला अध्यक्ष सोहेल अहमद ने वक्फ कमेटी के जिला अध्यक्ष अय्यूब कुरैशी की सहमति से भाजपा नेता इरफान कुरैशी उर्फ बाबू भाई ठेकेदार को सिरोंज ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया। गौरतलब हो कि होगी पूर्व राज्यसभा सांसद मरहूम चौधरी मुनव्वर सलीम कै निवास पर फरहत चौधरी की उपस्थिति में ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के जिला अध्यक्ष सोहेल अहमद ने सिरोंज निवासी इरफान कुरैशी को सिरोंज ब्लॉक अध्यक्ष पद के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान कर फूलमाला एवं मिठाई खिलाकर उज्जवल भविष्य के लिए मुबारकबाद दी।

धूल से परेशान नगर के दुकानदार

सिरोंज। आमतौर पर नगरों में सुबह के समय सभी मार्गों की साफ सफाई करवाई जाती है। नगर में कुछ और ही देखने को मिल रहा है। दोपहर के बाद नगर पालिका परिषद के जिम्मेदारों के द्वारा सड़कों पर झाड़ू लगवाने का काम किया जाता है। इसके चलते सभी व्यापारियों को परेशानी होती है वैसे ही धूल के कारण शहर में व्यापार करना मुश्किल हो रहा है। इसी बीच सफाई कर्मी मुख्य सड़कों की सफाई करते हैं तो धूल और तेज रफ्तार से उडती है। इसके कारण दुकानों में बैठना मुश्किल होता है। मुख्य सड़कों पर झाड़ू लगवाने का काम सुबह के समय होना चाहिए था वह काम दोपहर के बाद होता है इस वजह से सभी को परेशानी हो रही है।

अवैध खनन, परिवहन की आकस्मिक जांच में फर्शी भरा वाहन किया जप्त

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में आज जिला खनिज अधिकारी मेहताब सिंह रावत के नेतृत्व में खनिज विभाग की टीम ने सिरोंज तहसील में 26 नवम्बर की रात्रि में अवैध खनन परिवहन आकस्मिक जांच के दौरान दौरान ट्रक क्र. एमपी 04 जीए 4345 द्वारा फर्शी पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए पाये जाने पर मय खनिज के जप्त कर तहसील प्रांगण सिरोंज में सुरक्षार्थ रखा गया है इसके अतिरिक्त आज 27 नवंबर बुधवार को आकस्मिक भ्रमण के दौरान तहसील विदिशा के ग्राम जम्बार-बागरी क्षेत्र में एक पिकअप क्र. एमपी 40 जीए 1342 द्वारा चीरा-पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने पर उक्त वाहन को मय खनिज के जप्त कर ढोलखेड़ी पुलिस चौकी की अभिरक्षा में भेजा गया है और बैरसिया रोड पर आकस्मिक जांच के दौरान हायवा एमपी 04 जेड क्यू 7754 में गिट्टी व डंपर क्र. डच04भ्म2494 में कोपरा का अवैध परिवहन करते हुए पाये गये। जिन्हें जप्त कर पुलिस चौकी खामखेड़ा के प्रांगण में पुलिस थाना प्रभारी की शासकीय अभिरक्षा में रखा गया है।

जिला खनिज अधिकारी मेहताब सिंह रावत ने बताया कि अवैध खनन,

परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रकरण कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। अवैध खनन परिवहन के विरुद्ध निरंतर कार्यवाहीयां जारी रहेंगी।

उपरोक्त कार्यवाही में सहायक खनिज अधिकारी पंकज कुमार वानखेड़े, खनिज निरीक्षकी राजीव कदम तथा मय अमले नगर सैनिक धर्मेंद्र राजपूत, परसराम कुशवाहा, ऋतुराज राजपूत एवं महेंद्र सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मेट्रो एंकर लापरवाही से वाहनों को चलाने के कारण आए दिन हो रहे हादसे : सिरोंज आरोन रोड पर हुई बड़ी दुर्घटना

मोटरसाइकिल और कार की आमने-सामने भिड़ंत, हादसे में दो लोगों की मौत

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

लापरवाही से वाहनों को चलाने के कारण आए दिन बड़े हादसे हो रहे हैं। वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए समय-समय पर पुलिस प्रशासन के द्वारा अभियान के माध्यम से सावधानी के साथ वाहन चालकों समझने का काम भी किया जाता है इसके बाद भी अधिकांश वाहन चालकों के द्वारा लापरवाही से वाहनों को चलाया जार है,इसी का परिणाम है कि हादसे रूकने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को सिरोंज आरोन रोड पर ग्राम बरेंड पास में तेज रफ्तार कार ने अनियंत्रित होकर सामने से आ रही मोटरसाइकिल मैं जोरदार टक्कर मार दी दुर्घटना में मौके पर ही मोटरसाइकिल चालक और सवार की मृत्यु हो गई कार की गति अधिक होने के कारण कर भी सड़क से नीचे उतरकर खेत में जाकर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद ग्रामीण पहुंचे मुगलसराय पुलिस को सूचना दी गई हंड्रेड डायल भी घटनास्थल पर पुलिस के साथ पहुंची। इसके बाद मोटरसाइकिल चालक और सवार को ग्रामीणों की मदद से पुलिस हंड्रेड डायल शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय लेकर आए जहां पर डॉक्टर ने जांच के उपरांत दोनों को मृत्यु घोषित कर दिया। पीएम के बाद सबों को परिजनों को सौंप दिया गया।

मुगलसराय पुलिस ने बताया कि घटना आरोन रोड पर ग्राम बरेंड पर दोपहर 3 की घटना है। इसमें मोटरसाइकिल चालक रीतेश शर्मा पिता शिवचरण शर्मा उम्र 31 साल निवासी ग्रा. इब्राहिम

पुर सुमित शर्मा पिता राजेश शर्मा उम्र 18 साल निवासी ग्रा. परवरिया की घटना के बाद मौके पर ही मृत्यु हो गई थी।

इनकी मोटरसाइकिल को वाहन क्रमांक डच् 04 ग् 2975 कार जो सिरोंज तरफ से जा रही थी मोटर साईकिल पर दो सवार व्यक्तियों आरोन तरफ से आ रहे थे। कार अचानक अनियंत्रित होकर मोटर साईकिल मैं जाकर भिड गई टक्कर तेज होने से मोटर साईकिल सवार दो व्यक्तियों की मौके पर ही मृत्यू हो गई है । घटना के बाद से ही कार चालक मौके से फरार है । मृतको को थाना मोबाईल से अस्पताल पहुंचाया मर्ग कायम करके मामले की जांच पुलिस के द्वारा की जा रही है। इस मार्ग पर आए दिन तेज रफ्तार से वाहनों को दौड़ने के कारण छोटी बड़ी दुर्घटनाएं हो रही है। इसके बाद भी बदलाव नहीं हो रहा है एक दिन पहले ही यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को जागरुक करते हुए सावधानी पूर्वक वाहन चलाने के लिए समझाया था। बिगत दिनों शिकायत के बाद एसपी ने थाना प्रभारी को नगर में तेज रफ्तार से बस और ट्रैकों चलाने वाले चालकों लिमिटेड रफ्तार में वाहनों को चलाने के लिए ने प्रभारी समझाया था पर कुछ दिनों से फिर तेज गति से शहर में वाहन दौड़ने लगे हैं।

वैभव पर थी द्रविड़ की नजर ट्रायल्स में किया था प्रभावित

नईदिल्ली. एजेंसी

आइपीएल-2025 के लिए संपन्न हुई दो दिवसीय मेगा नीलामी में बाएं हाथ के 13 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इस लीग के इतिहास के सबसे युवा करोड़पति बने। बिहार के रहने वाले वैभव को राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपए में खरीदा जबकि उनका बेस प्राइस 30 लाख रुपए था। दरअसल, वैभव पर दांव लगाने के बारे में राजस्थान रॉयल्स ने पहले ही सोच लिया था क्योंकि इस युवा बल्लेबाज पर टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की नजरें काफी पहले से थी। द्रविड़ की सलाह पर ही फ्रेंचाइजी ने इस युवा बल्लेबाज को अपनी टीम में लेने का फैसला किया।

परिवार में जश्न का माहौल: अपने

द्रविड़ बोले-इस युवा में आगे बढ़ने की संभावनाएं

नीलामी प्रक्रिया के बाद द्रविड़ ने कहा, जब वैभव ट्रायल देने के लिए राजस्थान रॉयल्स के कैंप में आए थे, तभी से फ्रेंचाइजी की नजरें इस युवा खिलाड़ी पर थीं। ट्रायल के दौरान उसने अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया था। मेरा मानना है कि वैभव के अंदर काफी अच्छी स्किल हैं और आगे बढ़ने की काफी संभावनाएं हैं। उसके विकास के लिए यहां का माहौल अच्छा होगा।

पहले अंडर-19 मैच में जड़ा था तूफानी शतक बेटे के लिए पिता ने जमीन बेच दी थी। वैभव ने पिछले साल 12 साल की उम्र में बिहार टीम में पदार्पण किया था। उन्होंने वीनू मांकड़ ट्रॉफी में करीब 400 रन बनाए।

किसी भी हाल में पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया

सरकार ने बीसीसीआई से कहा... चैंपियंस ट्रॉफी न्यूट्रल वेन्यू पर हो

मुंबई. एजेंसी

टीम इंडिया किसी भी कंडीशन में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। सूत्रों ने बताया, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अगर हाइब्रिड मॉडल के लिए नहीं माना तो टीम इंडिया टूर्नामेंट नहीं खेलेगी। अगर पीसीबी ने टूर्नामेंट होस्ट नहीं किया तो भारत इसकी मेजबानी के लिए भी तैयार है। आईसीसी ने 29 नवंबर को मीटिंग बुलाई है, जिसमें वेन्यू को लेकर फाइनल फैसला लिया जाएगा। सरकार ने बीसीसीआई से साफ कह दिया है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं जाएगी। सरकार ने अपने तर्क को मजबूती से रखने के लिए कहा है। पाकिस्तान के हालात और खिलाड़ियों की सुरक्षा की अहमियत बताने के लिए भी कहा गया है। नहीं माना तो भारत टूर्नामेंट के लिए तैयार सरकार ने यह तक कह दिया है कि अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी करवाने से मना किया तो भारत इसकी मेजबानी करेगा। अगर भारत को मेजबानी सौंपी तो सरकार की ओर से पूरा सपोर्ट मिलेगा। इतना ही नहीं, चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए भारत आने वाली टीमों के प्लेयर्स को वीजा मिलने में भी दिक्कत नहीं आएगी।

पीसीबी ने कहा था- लाहौर में सभी मैच खेले भारत पीसीबी ने भारत के सभी मैच लाहौर में कराने और मैच के बाद खिलाड़ियों को भारत भेजने का प्रस्ताव रखा था। भारत ने इसे मना कर दिया, जिसके बाद पीसीबी ने हाइब्रिड मॉडल अपनाने से भी इनकार कर दिया। टीम इंडिया 2008 के दौरान मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान नहीं गई है। सुरक्षा कारणों से बीसीआई ने इस दौरान पाकिस्तान में इंटरनेशनल क्रिकेट को बैन भी कर दिया था। पाकिस्तान ने स्टेडियम का रेनोवेट कराया पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर लगातार तैयारी कर रहा है। तीनों स्टेडियम का काम तकरीबन पूरा कर लिया है। उन्होंने लाहौर, कराची और रावलपिंडी स्टेडियम के रेनोवेशन पर 12.5 बिलियन पाकिस्तान रुपए खर्च किए हैं। इस बीच, भारत सरकार ने पहले ही अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। टीम टूर्नामेंट को पाकिस्तान में नहीं खेलेगी। यदि पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल पर नहीं मानता है, तो फिर टूर्नामेंट दूसरे देश में शिफ्ट हो सकता है। टीम इंडिया को पाकिस्तान न भेजने की वजह बताएं चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान न भेजने के लिए लिखित में जवाब मांगा था। हद्ध ने पाकिस्तानी चैनल जियो न्यूज की रिपोर्ट के हवाले से लिखा, पीसीबी ने आईसीसी से भारत के जवाब की लिखित कॉपी मांगी है। पाकिस्तान क्यों नहीं आ सकता भारत पाकिस्तान बोर्ड ने टीम इंडिया के पाकिस्तान न जाने को लेकर आईसीसी से जवाब मांगा था। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, स्पोक्सपर्सन ने बताया था, पाकिस्तान में सुरक्षा की दिक्कत नहीं है। इसीलिए न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमों ने यहां का दौरा किया था। जब ये टीमें आ सकती हैं तो टीम इंडिया क्यों नहीं? एशिया कप में पाकिस्तान नहीं गया था भारत, हाइब्रिड मॉडल अपनाया गया पिछले साल सितंबर में एशिया कप खेला गया था। पाकिस्तान को इसकी मेजबानी मिली थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था।

जेनिक सिनर ने रच दिया इतिहास, अब तक नडाल-फेडरर और जोकोविच भी नहीं कर पाए थे ये कमाल

मलागा. एजेंसी

साल 2024 इटली के युवा टेनिस स्टार जेनिक सिनर के नाम रहा। 23 वर्षीय सिनर ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए ना केवल नंबर-1 रैंकिंग हासिल की, बल्कि एक ऐसी उपलब्धि हासिल की जो टेनिस जगत में बिग थ्री के नाम से मशहूर रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच भी हासिल नहीं कर पाए। सिनर ने इस सीजन ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन के रूप में दो ग्रैंड स्लेम जीते, दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने, साल के अंत में एटीपी फाइनल्स का खिताब जीता और लगातार दूसरी बार इटली को डेविस कप खिताब दिलाया।

डोपिंग विवाद में फंसे, नहीं मानी हार

इस साल मार्च में सिनर डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे और उनका मामला जांच के दायरे में है। निलंबन के कारण सिनर पेरिस ओलंपिक में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे। लेकिन राहत मिलने के बाद उन्होंने दमदार वापसी की और अपने शानदार प्रदर्शन के दम से विश्व नंबर एक खिलाड़ी बनने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन गए।

गर्लफ्रेंड भी टेनिस खिलाड़ी

सिनर की गर्लफ्रेंड अन्ना कालिंस्काया भी टेनिस खिलाड़ी हैं। रूस की कालिंस्काया पूर्व में निक किर्गियोस के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन अब वे सिनर को डेट कर रही हैं। कालिंस्काया दर्शक दीर्घा में सिनर की हौसलाअफजाई करने के लिए मौजूद रहती हैं।

आईपीएल 2025 प्रदेश के खिलाड़ियों का दिखेगा जलवा

भोपाल. दोपहर मेट्रो

आइपीएल में प्रदेश के खिलाड़ियों का भी जलवा दिखाई देगा। वेंकटेश अय्यर, आवेश खान, रजत पाटीदार के अलावा, अनिकेत वर्मा, माधव तिवारी, अरशद खान जैसे खिलाड़ी भी आइपीएल में शिरकत करेंगे। इंदौर के काउंटी वॉक कॉलोनी निवासी माधव तिवारी को दिल्ली कैपिटल्स ने 40 लाख में खरीदा है। इसी तरह सिवनी के गोपालगंज निवासी अरशद खान को गुजरात टाइटंस ने 1.30 करोड़ रुपए में खरीदा है। रतलाम के विस्फोटक बल्लेबाज आशुतोष शर्मा को दिल्ली कैपिटल्स ने 3.80 करोड़ रुपए में खरीदा है, जबकि भोपाल के खिलाड़ी अनिकेत वर्मा को हैदराबाद सनराजर्स ने 30 लाख रुपए में खरीदा है।

नारायण स्कूल ने कोलार में बच्चों की कबड्डी स्पर्धा कराई

भोपाल. दोपहर मेट्रो

कोलार रोड स्थित नारायणा ई-टेक्नों स्कूल ने भोजपाल स्पोर्टस एकेडमी के साथ कबड्डी स्पर्धा का आयोजन किया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप मैं समाजसेवी श्रवण पटेल, विजय हांडा(एडवोकेट) मोजूद रहे। भोपाल कोलार की अलग अलग स्कूल्स मैं पड़ने वाले विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों की 20 टीमों द्वारा अपने खेल का हुनर दिखाया गया। पंजाब पलटन टीम ने विजेता ट्रॉफी उठाई ,लगभग 150 से 200 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया। नारायणा ई-टेक्नों स्कूल के मैनेजर योगेश दण्डोतिया द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजयी टीमों को पुरूस्कृत कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मेट्रो बाजार

इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री टैलेंट शॉर्टेज से जूझ रही, ट्रेंड पेशेवरों की किल्लत

नईदिल्ली. एजेंसी

देश का जॉब आउटलुक पॉजिटिव है। टीमलीज सर्विसेज की रोजगार परिदृश्य रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में 59त्न नियोक्ताओं ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना बनाई है। वहीं 22 फीसदी नियोक्ता अपने मौजूदा कार्यबल को बनाए रखेंगे। अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 के बीच लॉजिस्टिक, ई-कॉमर्स और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की अगुवाई में हायरिंग 7.1 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही भारत इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में ग्लोबल लीडर बनने की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। वहीं, टीमलीज डिग्री अप्रेंटिसशिप की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री काफी तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इंडस्ट्री 1 करोड़ से भी अधिक ट्रेंड प्रोफेशनल्स की किल्लत से जूझ रही है और यह टैलेंट शॉर्टेज बढ़ता ही जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री सालाना 25 से 30 फीसदी चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएडीआर) के साथ वर्ष 2028 तक 1.2 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा करेगी। इनमें 30 लाख प्रत्यक्ष और 90 लाख अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। टीमलीज डिग्री अप्रेंटिसशिप के सीईओ एआर रमेश ने कहा, इस अंतर को पाटने के लिए देश में बड़े पैमाने पर कौशल विकास पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन की

रिपोर्ट के मुताबिक, हेल्थकेयर इंडस्ट्री जितनी तेजी से बढ़ रही है, उसमे अगर एआइ को बढ़ावा मिले तो यह और तेजी से ग्रोथ कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस सेक्टर में एआइ और तकनीक से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ने वाली है। आने वाले समय में इसमें 25 लाख से अधिक रोजगार पैदा होने की संभावना है। एआइ लागू करने के लिए सॉफ्टवेयर डेवलपर्स, डेटा वैज्ञानिक, मेडिकल रिसर्चर और हेल्थ इंफॉर्मेशन विशेषज्ञों की मांग में इजाफा होगा। साथ ही, एआइ संचालित उपकरणों की बढ़ती आवश्यकता से मेडिकल टेक्नोलॉजिस्ट, बायोमेडिकल इंजीनियर्स व तकनीकी विशेषज्ञों के लिए भी नए अवसर बनेंगे।

टेलीकॉम कंपनियों ने चुपके से पोस्ट पेड प्लान्स की दरें 12% से 25 % तक बढ़ाई

मुंबई. एजेंसी

जून में प्रीपेड टैरिफ में 30त्न से 40त्न तक बढ़ोतरी करने के बाद अब टेलीकॉम कंपनियों ने चुपके से पोस्टपेड प्लान्स के टैरिफ में भी इजाफा कर दिया है, जिससे पोस्टपेड कनेक्शन वाले मोबाइल-इंटरनेट महंगे हो गए हैं और ग्राहकों का मासिक खर्चा बढ़ गया है। देश की अधिकांश दूरसंचार कंपनियों ने पोस्टपेड प्लान में 12 फीसदी से 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर दी है। कंपनियों ने पैकेज के हिसाब से कीमतों में बढ़ोतरी की है। बेसिक प्लान में भी करीब 50 रुपए का इजाफा किया गया है। एयरटेल का जो प्लान 399 रुपए में आता था, बीते दिनों उसको बढ़ाकर 449 रुपए का कर दिया है। इसी तरह से जियो, वोडाफोन-आइडिया ने भी अपने प्लान की दरों में बदलाव किया है। 120 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता हैं, जिनमें से करीब 12त्न यानी 13 से 14 करोड़ से अधिक पोस्टपेड कनेक्शन का उपयोग करते हैं। पोस्टपेड टैरिफ में बढ़ोतरी एकसाथ नहीं की गई है। बल्कि कंपनियों ने अलग-अलग समय पर अपने प्लान की दरों को बढ़ाया है। इससे ज्यादातर सब्सक्राइबर्स ने तो बिल में हुए बदलाव को नोटिस भी नहीं किया। अक्टूबर और अब नवंबर महीने का बिल अधिकांश कंपनियों की ओर से बदली गई दरों के हिसाब से भेजा जा रहा है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

यामी गौतम ने छोटे पर्दे से लगाई ऊंची छलांग, आज करोड़ों की मालकिन

आज बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री यामी गौतम का जन्मदिन है। इस मौके पर हम अभिनेत्री के नेटवर्थ के बारे में जानेंगे। आइए जानते हैं कि वह कितनी संपत्ति की मालकिन हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। यामी की गिनती उन अभिनेत्रियों में होती है, जिन्होंने खुद के बलबूते अपने करियर की उड़ान भरी। उन्होंने छोटे पर्दे से अपने अभिनय की शुरुआत की और आज बड़ी-बड़ी फिल्मों में मुख्य किरदार के रूप में नजर आती है। उनकी गिनती इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। यामी ने अपनी मेहनत और लगन से करोड़ों रुपये कमाए हैं। वह अब फिल्मों के लिए मोटी रकम भी वसूलती हैं। आइए आज उनके जन्मदिन के मौके पर जानते हैं कि अभिनेत्री की कितनी नेटवर्थ कितनी है? यामी गौतम फिल्मों के लिए मोटी रकम तो वसूलती ही हैं, साथ ही अभिनेत्री विज्ञापनों से भी खूब कमाई करती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यामी गौतम की नेटवर्थ लगभग 90 करोड़ रुपये आंकी गई है। यामी के पास एक आलीशान घर भी है। एक्ट्रेस के पास महंगी गाड़ियों का कलेक्शन भी है। यामी सिर्फ हिंदी ही नहीं बल्कि अन्य भाषाओं की भी फिल्में करती हैं और वहां से भी खूब पैसे कमाती हैं। यामी को विज्ञापनों से भी बड़ा लाभ होता है।

'फेयर एंड लवली' के प्रचार ने दिलाई पहचान

यामी गौतम ने बॉलीवुड में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म 'विक्की डोनर' की। हालांकि, इसके पहले वह साउथ की फिल्मों में भी अभिनय कर चुकी थीं। फिल्मी दुनिया में आने से पहले वह कई धारावाहिकों में भी नजर आईं। अभिनेत्री को सबसे ज्यादा घर-घर पहचान 'फेयर एंड लवली' के विज्ञापन ने दिलाया।

कई शानदार फिल्मों में किया है काम: यामी ने बॉलीवुड की कई शानदार और हिट फिल्मों में काम किया है। उनकी अदाकारी को भी इन फिल्मों में खूब सराहा गया है। अभिनेत्री 'एक्शन जैक्शन', 'बदलापुर', 'सनम रे', 'जुनूनीयत', 'काबिल', 'सरकार 3', 'बत्ती गुल मीटर चालू', 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक', 'बाला', 'थर्सडे', 'दसवीं', 'ओएमजी 2', 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री ने 4 जून 2021 को निर्देशक आदित्य धर से शादी की। दोनों काफी समय से एक दूसरे के नजदीक थे। यामी आदित्य की फिल्म 'उरी' में काम कर चुकी थीं।

'बाहुबली 2' के 'कुमार वर्मा' ने की शादी, 47 की उम्र में लिए फेरे

फिल्म बाहुबली 2 में कुमार वर्मा का किरदार निभाने वाले अभिनेता सुब्बाराजू ने 47 साल की उम्र में शादी कर ली है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। फिल्म बाहुबली 2 फिल्म में अपने अभिनय के लिए जाने जाने वाले अभिनेता सब्बाराजू ने शादी कर ली है। 47 साल की उम्र में उन्होंने सात फेरे लिए और यह खुशखबरी उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत शादी की तस्वीर साझा करके दी। इस तस्वीर में सब्बाराजू और उनकी पत्नी पारंपरिक भारतीय कपड़ों में नजर आ रहे हैं। सब्बाराजू ने क्रीम रंग की धोती और कुर्ता पहना है, जबकि उनकी पत्नी ने लाल रंग की रेशमी साड़ी पहनी है। उनकी पत्नी ने खुद को चमेली के फूल और पारंपरिक आभूषण से सजाया था। दोनों ने काले रंग के चश्मे भी पहने थे। तस्वीर समुद्र तट के पास ली गई थी, जो बहुत सुंदर लग रही थी। सब्बाराजू ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, आखिरकार शादी हो गई!!! इस पोस्ट पर फिल्म इंडस्ट्री के उनके कई दोस्त और साथी कलाकारों ने उन्हें बधाई दी। सब्बाराजू का जन्म आंध्र प्रदेश के भीमावरम में हुआ था। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान काफी मेहनत से बनाई है। उनका फिल्मी करियर तब शुरू हुआ जब उन्होंने फिल्म निर्माता कृष्णा वामसी से मुलाकात की और उनकी फिल्म खड्गम से डेब्यू किया। हालांकि, उनकी सबसे बड़ी पहचान अम्मा नन्ना ओ तमिला अम्मई (2003) फिल्म से मिली।

मलाइका ने शुरू किया बेटे के साथ नया प्रोजेक्ट

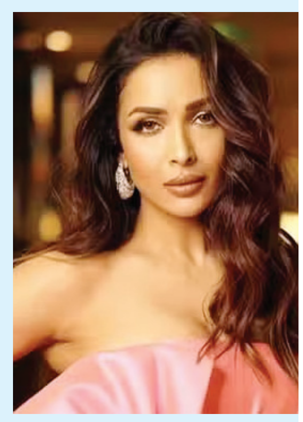

हाल ही में मलाइका अरोड़ा खान ने अपने बेटे अरहान के साथ एक खास तरह का काम शुरू किया है। इस काम में दोनों की गहरी रुचि है। लेकिन यह कोई फिल्म प्रोजेक्ट नहीं है। आखिर क्या कर रहे हैं दोनों मिलकर जानिए? मलाइका अरोड़ा खान अपने बेटे अरहान के साथ दोस्ती भरा रिश्ता रखती हैं। अरबाज खान से तलाक के बाद उन्होंने अरहान को बहुत सपोर्ट किया है। अरहान अभी अपने करियर के लिए कई ऑप्शन तलाश रहे हैं। ऐसे में उन्होंने एक ऐसा प्रोजेक्ट शुरू किया है। जिसमें उन्हें अपनी मां मलाइका का साथ मिला। मलाइका और अरहान दोनों ही खाने के शौकीन हैं। ऐसे में दोनों ने मिलकर एक रेस्टोरेंट मुंबई में खोला है। मलाइका ने एक इंटरव्यू में बताया कि वह और अरहान देश दुनिया की सैर पर जाते हैं और वहां का खाना टेस्ट करते हैं। ऐसे में जब अरहान ने रेस्टारेंट शुरू करने का सोचा तो इसमें मलाइका ने उनका साथ दिया। अरहान के कुछ दोस्त भी इस प्रोजेक्ट में उनका साथ दे रहे हैं। अरहान खान एक पॉडकास्ट शो भी कुछ समय पहले तक करते थे। इसमें भी मलाइका ने उनसे अपने जीवन से जुड़ी कई सारी बातें साझा कीं। मलाइका ने अपने करियर, पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें अरहान और दर्शकों को बताई। मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर लंबे समय से रिलेशनशिप में थे। अरहान को भी इस बात से कभी समस्या नहीं हुई। हाल ही में लेकिन खबर आई कि मलाइका और अर्जुन का ब्रेकअप हो गया है। इस बात की पुष्टि मलाइका और अर्जुन दोनों ने ही सोशल मीडिया के जरिए की। मलाइका अरोड़ा एक अच्छी डांसर हैं वह कई फिल्मों में बेहतरीन आइटम नंबर कर चुकी हैं। साथ ही कुछ फिल्मों में उन्होंने एक्टिंग भी की है। इसके अलावा वह टीवी पर आने वाले रियालिटी शो को लंबे समय से जज कर रही हैं।

फिर शहर में चोरी की कई वारदातें, पुलिस गश्त को चकमा दे रहे अपराधी

घर के सामने खड़ी छात्र की कार चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा में रहने वाले एक कालेज छात्र के घर के सामने खड़ी कार चोरी हो गई। छात्र ने उसी दिन कार को खरीदा था। आसपास तलाश करने के बाद भी जब कार का कुछ पता नहीं चला तो उसने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक जयप्रकाश बड़ौदे (21) राजीव नगर लालघाटी में रहते हैं और निजी कालेज से बीबीए की पढ़ाई कर रहे हैं। बीती 25 नवंबर को उन्होंने छिंदवाड़ा पासिंग एक क्रिड कार खरीदी थी। रात करीब 11 बजे जयप्रकाश ने अपनी कार घर के बाहर खड़ी की और अंदर चले गए। करीब तीन घंटे बाद रात दो बजे उन्हें कार स्टार्ट होने की आवाज आई तो वह घर के बाहर निकले। देखा तो उनकी कार कोई चोरी कर ले जा चुका था। दिनभर आसपास के इलाके में तलाश करने के बाद भी जब कार का कुछ पता नहीं चला तो शाम को उन्होंने कोहेफिजा थाने जाकर कार चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंजीनियरिंग छात्रों के लैपटाप और मोबाइल चोरी

कमला नगर इलाके में रहने वाले तीन इंजीनियरिंग छात्रों के खुले कमरे में घुसकर चोर तीन लैपटाप और एक मोबाइल फोन समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए। वारदात के समय तीनों छात्र कमरे में सो रहे थे। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक सचिन बामनिया (21) अलीराजपुर का रहने वाला है। फिलहाल वह अपने दोस्तों अम्बिरा शाह और रोहित ध्रुव के साथ संजय काम्पलेक्स में किराए से रहता है और इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। सचिन ने पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह तीनों दोस्त कमरे में सो रहे थे, जबकि दरवाजा खुला हुआ था। इसी बीच अज्ञात व्यक्ति ने अंदर घुसकर तीनों छात्रों के लैपटाप, अम्बिरा का मोबाइल फोन और सचिन का एक कालेज बैग चोरी कर लिया। बैग में एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड समेत अन्य दस्तावेज रखे हुए थे। इधर अवधपुरी थानांतर्गत गिरनार हिल्स में रहने वाली संध्या चौरसिया और खजूरी सड़क थानांतर्गत ग्राम फंदा निवासी अजय सिंह मेवाड़ा के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवरात समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की सूची और कीमत का खुलासा नहीं हो पाया है।

महिला का पर्स और मोबाइल चोरी

छिंदवाड़ा में रहने वाली आशा उइके मंगलवार को पातालकोट एक्सप्रेस के जनरल कोच में जुन्नारदेव से भोपाल की यात्रा कर रही थी। ट्रेन में काफी भीड़भाड़ थी। भोपाल रेलवे स्टेशन पर उतने के बाद देखा तो उनका लेडीज पर्स गायब था। पर्स में 15 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन और अन्य जरूरी सामान रखा था। इसी प्रकार भोपाल निवासी दिलीप कुमार राजकोट जाने के लिए भोपाल स्टेशन पहुंचे थे। सोमनाथ एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार होने के बाद उन्होंने देखा तो पैंट की जेब में रखा उनका मोबाइल फोन चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 9 हजार रुपए बताई गई है। जीआरपी ने दोनों मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

तीस फीट से अधिक ऊंचाई से गिरा

पुलिस लाइन की निमार्णाधीन बिल्डिंग से गिरकर मजदूर की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित ईदगाह हिल्स में बन रही पुलिस लाइन की निमार्णाधीन मल्टी की तीसरी मंजिल से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। साथी मजदूरों ने बताया कि वह तीसरी मंजिल पर पुट्ठी लगा था, तभी अचानक नीचे गिर गया। तीस फीट से अधिक ऊंचाई से गिरने के कारण उसे गंभीर चोट आई।

साथी मजदूर उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां कुछ देर बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार मूलतः उत्तर प्रदेश निवासी 45 साल का बेटालाल, ईदगाह हिल्स में बन रही निमार्णाधीन पुलिस लाइन में मजदूरी करता था और वहीं रहता था। बुधवार सुबह वह करीब 11 बजे तीसरी मंजिल पर चढ़कर पुट्ठी लगा रहा था, तभी अचानक नीचे गिर गया। पुलिस का कहना है कि परिजन उत्तर प्रदेश से भोपाल के लिए निकल गए हैं। उनके पहुंचने के बाद शव का पीएम कराया जाएगा और मजदूरों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

छत से गिरकर युवक की मौत

इधर, कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित राजीव नगर में बुधवार रात एक युवक छत से गिर गया। परिजन उसे लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार दीपेश सिसोदिया पिता राजकपूर सिसोदिया (21) राजीव नगर मल्टी, कमला नगर में रहता था। बुधवार रात वह संदिग्ध परिस्थितियों में मल्टी से नीचे गिर गया। परिजन उसे इलाज के लिए पास ही स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सात साल के मासूम को आंख के पास लगी चोट

स्कूल बस में कंडक्टर ने बच्चों से की मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र में निजी स्कूल बस में सात साल के मासूम से मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट में बच्चे को आंख के पास गंभीर चोट आई है। पुलिस ने पिता की शिकायत पर कंडक्टर पर मारपीट का मामलाा दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार विनोद पिता रामगोपाल विश्वकर्मा (35) पटेल नगर कालोनी भानपुर छोला मंदिर में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उनका सात साल का बेटा वीर विश्वकर्मा चौपड़ा कला स्थित निजी स्कूल में दूसरी कक्षा में पढ़ता है और स्कूल से आना-जाना करता है।

मंगलवार को स्कूल से छुट्टी होने उनका बेटा बस से घर पहुंचा। उसकी सीधे आंख के ऊपर चोट का निशान था और सूजन नजर आई। उन्होंने बेटे चोट के बारे में पूछा तो उसने बताया कि स्कूल से छुट्टी को बाद स्कूल की बस में बैठकर घर वापस आ रहे थे।

ग्राम पिपलिया बाज खां में बस बच्चों को छोड़ने के लिए शाम 5 बजे रुकी। मैं और लक्ष्य सेन, योग विश्वकर्मा आपस में बातचीत कर रहे थे। इस दौरान बस का कंडक्टर बिट्टू ठाकुर आया गाली देते हुए लक्ष्य सेन समेत योग विश्वकर्मा को थप्पड मारे।

उसने मुझे भी सिर के पीछे जोर से थप्पड मारा और मेरा माथा सामने वाली सीट के पाइप से टकरा गया। पाइप से सिर टकराने के कारण आंख के पास गंभीर चोट आई है।

9 आदतन अपराधियों के खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई हुई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस आयुक्त ने अपराधों पर नियंत्रण और शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए 9 आदतन अपराधियों के खिलाफ जिला बदर के आदेश पारित किए है। आदतन अपराधियों के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में हत्या, बलात्कार, मारपीट, चोरी छेड़छाड़ अवैध शराब बेचने एवं आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर अपराध कोर्ट में विचाराधीन है।

इनके खिलाफ हुई जिला बदर की कार्रवाई

आफताब अली उर्फ सोनू बच्चा पिता इरफान अली उर्फ इरफान बच्चा (23) करीम बक्स, कालोनी छोला श्मशान के पास, गौतम नगर। अक्षय बिलवे पिता रणछोर बिलवे (22) पीसी नगर गड्ढा, थाना हबीबगंज। लखन अहिरवार पिता सुंदर लाल अहिरवार (36) चारनल के पास भीमनगर थाना अरेरा हिल्स। मोहम्मद फैज उर्फ बिल्ली खाउ पिता स्व. अब्दुल अजीज उर्फ मुन्ने खां (21) गली नं.-2 काजीकैंप, हनुमानगंज। मो. सफदर खां पिता शफीक खां (23) चंदु चटाइपुरा बुधवारा। नीरज बंसल पिता नंदलाल बंसल (29) प्रियदर्शिनी नगर टीटी नगर। तौफीक हुसैन पिता शब्बीर हुसैन (44) इन्द्रा कालोनी बाग उमराव दुल्हा, ऐशबाग। रोहित कारेन उर्फ गिरी पिता छोटेराम कारेन (38) बरखेड़ा पठानी, गोविन्दपुरा और संजय उर्फ शानू उइके पिता कमल सिंह उइके (26) प्रेमपुरा गांव मस्जिद के पास भदभदा रोड, कमला नगर पर जिला बदर की कार्रवाई की गई।

तेज आवाज में डीजे बजाने वाले पर केस दर्ज

भोपाल। रातीबड़ पुलिस ने तेज आवाज में डीजे बजा रहे डीजे चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक नीलबड़ चौराहा स्थित पाइंट पर तैनात पुलिस को सूचना मिली कि डीपीएस झुग्गी के पास एक डीजे चालक तेज आवाज में डीजे बजा रहा है, जिससे आसपास के लोगों को काफी परेशानी हो रही है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने डीजे का वीडियो बनाया। चालक से डीजे बजाने की अनुमति मांगी गई तो वह अनुमति नहीं दिखा पाया। पुलिस आयुक्त भोपाल द्वारा जारी आदेश का उल्लंघन होने पर पुलिस ने डीजे चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कुछ रकम देकर कराया एडमिशन, बाकि हड़प ली

बेटी को रूस में एमबीबीएस कराने के नाम पर पुजारी से लाखों ठगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र में रेलवे कॉलोनी के पास स्थित मंदिर के पुजारी को दो युवकों ने लाखों की चपत लगा दी। आरोपियों ने बेटी का रूस में एमबीबीएस में एडमिशन कराया था। बदले में तीस लाख रुपए ले लिए।

आरोपियों ने कुछ रुपए जमा करने के बाद उसका एडमिशन भी करा दिया, लेकिन तीस लाख रुपए में करीब पंद्रह लाख रुपए की फीस आरोपियों ने हड़प ली। फीस के लिए कॉलेज से बार बार कॉल आने लगे तो पता चला कि आरोपियों ने फीस जमा नहीं की है।

इसके बाद बागसेवनिया पुलिस को शिकायत की गई। पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार राज बहादुर द्विवेदी, रेलवे कॉलोनी, बागसेवनिया में मंदिर के पुजारी है। इसके अलावा वह छोला मंदिर स्थित एक अन्य मंदिर में भी पूजा पाठ करते है। उनकी रिश्तेदार की बेटी रूस के किसी कॉलेज से एमबीबीएस कर रही है। राज बहादुर को भी अपनी बेटी से एमबीबीएस कराना था।

लिहाजा रिश्तेदारों से उन्होंने एडमिशन के बारे में पूछा। रिश्तेदारों ने बताया कि मोहम्मद नदीम खान और इरफान की मदद से उनकी बेटी का एडमिशन रूस में हुआ था। राज बहादुर ने मार्च 2024 में मोहम्मद नदीम और इरफान से संपर्क किया। मोहम्मद नदीम कोई संस्था चलाता है। संस्था एडमिशन कराने का ही काम करती है। नदीम ने एडमिशन के लिए कुल 30 लाख रुपए का खर्च बताया?था। राजबहादुर ने नदीम की संस्था में तीस लाख रुपए जमा भी करा दिए। बेटी का एडमिशन हो गया और इस समय रूस में ही है। रूस के कॉलेज से राज बहादुर द्विवेदी को कॉल आने लगे कि आपके द्वारा फीस के पंद्रह लाख रुपए जमा नहीं कराए गए है। राजबहादुर ने मोहम्मद नदीम और इरफान से फीस की बात की तो उनका रवैया बदल गया। इसके बाद शिकायत दर्ज कराई गई।

युवक से मारपीट, पत्थर मारकर फोड़ी स्कूटर

भोपाल। टीटी नगर इलाके में रहने वाले एक युवक के साथ दूसरे युवक ने शराब के लिए अड़ीबाज की। रुपए नहीं देने पर उसने युवक से मारपीट की और पत्थर मारकर उसकी स्कूटर फोड़ दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार शुभम कश्यप (20) सुनहरी बाग टीटी नगर में रहता है और सब्जी का ठेला लगाता है। मंगलवार की शाम को वह स्कूटर के घर लौट रहा था, तभी मोहल्ले में रहने वाला रितिक मिल गया। उसने शराब पीने के लिए शुभम से पांच सौ रुपये की मांग की। शुभम ने जब रुपए देने से इंकार किया तो रितिक ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट कर दी और पत्थर उठाकर स्कूटर फोड़ दी। शोर मचाने पर मोहल्ले वाले पहुंचे तो आरोपी धमकी देते हुए मौके से भाग निकला। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। इसी इलाके में रंगमहल के पास खड़े एक युवक के साथ मोहल्ले में रहने वाले लड़के ने मारपीट कर दी। पुलिस ने बताया कि हर्ष मालवीय (23) रोशनपुरा पर रहता है और आटो चलाता है। मंगलवार रात करीब आठ बजे वह आटो लेकर रंगमहल चौराहे के पास खड़ा था। इसी दौरान भरत बाथम नामक युवक पहुंचा और पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज करने लगा। हर्ष ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट कर दी।

बीटेक छात्र को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

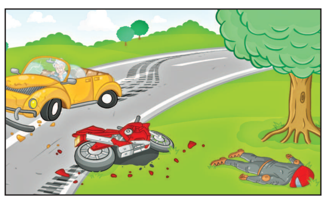

रातीबड़ इलाके में रहने वाले एक बीटेक छात्र को अज्ञात चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल छात्र का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने छात्र के पिता की रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक वीरेंद्र पुर्वे (42) जिला सीतामणि बिहार के रहने वाले है और खेती किसानी करते हैं। उनका बेटा चंदन कुमार (20) कृष्णा कालोनी नीलबड़ में किराए से रहता है और निजी कालेज से बीटेक सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रहा है। बीती 23 नवंबर की रात को वीरेंद्र को सूचना मिली कि उनके बेटे को अज्ञात चार पहिया वाहन ने मारन काम्पलेक्स के पास टक्कर मारकर घायल कर दिया है, जिसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वीरेंद्र बिहार से भोपाल पहुंचे तो पता चला कि बेटे को दूसरे निजी अस्पताल में शिफ्ट किया गया है, जहां उसके सिर का आपरेशन करने के बाद वेंटीलेटर पर रखा गया है। बेटे को देखने के बाद उन्होंने मंगलवार को थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराब के लिए युवसे की अड़ीबाजी

भोपाल। हनुमानगंज इलाके में रहने वाले एक युवक के साथ दो बदमाशों ने शराब के लिए अड़ीबाजी की और रुपये नहीं देने पर उसके साथ जमकर मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आलम कुरैशी (20) दुलीचंद का बाग इलाके में रहता है और पुताई का काम करता है। सोमवार की रात करीब साढ़े दस बजे वह कबाडखाने से अपने घर लौट रहा था। रास्ते में अरमान और जिशान नामक युवक मिले। उन्होंने शराब पीने के लिए आलम से 2 हजार रुपए की मांग की।

मेट्रो एंकर

मप्र पुलिस का पंजाब नेशनल बैंक से समझौता

पुलिसकर्मियों का 40 लाख का दुर्घटना बीमा व मदद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश पुलिस ने पंजाब नैशनल बैंक से उसकी सभी इकाइयों में पदस्थ वर्तमान एवं नए, समस्त कर्मचारियों के वेतन खाते, पीएनबी पुलिस रक्षक सैलरी पैकेज के तहत खोले जाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पीनबी पुलिस रक्षक सैलरी स्कीम के तहत खोले जाने वाले वेतन खाते के साथ मप्र पुलिस के समस्त कर्मचारियों को विभिन्न आकर्षक सुविधाएं व रियायतें बिल्कुल निशुल्क प्रदान की जाएंगी, जिससे सभी कर्मचारी एवं उनके परिवार को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। 40 लाख तक का दुर्घटना मृत्यु बीमा, एवं रुपये 80 लाख हवाई दुर्घटना बीमा, मृत्यु कर्मचारी आश्रित बच्चों को रुपये 4 लाख सालाना तक शिक्षण सहायता, बेहतर बैंकिंग सुविधाएं जैसे मुफ्त चेक बुक, एटीएम कार्ड,डीडी/पीओ/आरटीजीएस/नेफ्ट, रिटेल लोन में छूट आदि के साथ-साथ, बीमित कर्मचारी की किसी भी कारण मृत्यु होने पर उसके परिवार को रुपए 3 लाख तक जीवन बीमा की सहायता राशि बिल्कुल मुफ्त प्रदान की जाएगी।

पुलिस कर्मचारी को पीएनबी की नजदीकी शाखा में पीएनबी पुलिस रक्षक सैलरी स्कीम के तहत डिजाइन किए पीएनबी पुलिस रक्षक वेतन बचत खाता खुलवाकर उसे सैलरी से लिंक कराना होगा।

एमओयू के मौके पर मप्र पुलिस से अनिल कुमार (एडीजी-कल्याण) व डा. अंशुमन अग्रवाल (एआईजी- कल्याण), महाप्रबंधक शैलेंद्र सिंह बोरा अंचल प्रबंधक भोपाल एवं संजय सिंह सरकारी कारोबार वर्टिकल प्रमुख उपस्थित रहे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022